दैनिक

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

आरएनआई क्र.MPHIN/2012/40924

क्षितिज किरण

प्रेरणापुंज- विचित्र कुमार सिन्हा -- ब्यूरो प्रमुख भोपाल- विलक्षण सक्सेना

जबलपुर, होशंगाबाद एवं सीहोर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र निर्भीक समाचार-पत्र

प्रधान सम्पादक-कृष्णकान्त सक्सेना वर्ष-15, अंक -147 जबलपुर, रविवार 05 जुलाई 2026 कीमत-1 रूपया पृष्ठ-8 संपादक अरुण श्रीवास्तव

एमपी के सरकारी इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय में प्रश्नपत्र चोरी से हड़कंप, चौथे सेमेस्टर की परीक्षा रद्द

भोपाल.(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के सरकारी इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) में प्रश्न पत्र चोरी का मामला सामने आने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के चौथे सेमेस्टर की कंप्यूटर विषय की परीक्षा तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी. घटना के बाद विश्वविद्यालय परिसर में हड़कंप मच गया. मामले की सूचना मिलते ही गांधीनगर थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. विश्वविद्यालय प्रशासन ने भी पूरे घटनाक्रम की आंतरिक जांच के आदेश देते हुए संबंधित अधिकारियों से तीन दिन के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है.

जानकारी के अनुसार चौथे सेमेस्टर के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों की कंप्यूटर विषय की परीक्षा शुक्रवार सुबह 11 बजे आयोजित होनी थी. छात्र निर्धारित समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचे, लेकिन उन्हें बताया गया कि परीक्षा स्थगित कर दी गई है. कुछ समय बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने आधिकारिक रूप से जानकारी दी कि स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी कार्यालय से नौ सीलबंद लिफाफे, जिनमें गोपनीय प्रश्नपत्र रखे गए थे, चोरी हो गए हैं. प्रश्नपत्रों की सुरक्षा से जुड़ी इस गंभीर घटना के बाद परीक्षा को निरस्त करने का निर्णय लिया गया.

पुलिस के अनुसार अज्ञात व्यक्ति खिड़की के रास्ते कार्यालय में घुसा और परीक्षा शुरू होने से पहले ही प्रश्नपत्रों से भरे सीलबंद लिफाफे लेकर फरार हो गया. सुबह जब विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा की तैयारी शुरू की, तब चोरी की जानकारी

सामने आई. इसके बाद तत्काल गांधीनगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई. पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके.

विश्वविद्यालय के कुलपति आलोक शर्मा ने परीक्षा रद्द होने की पुष्टि करते हुए कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए विस्तृत जांच कराई जा रही है. उन्होंने स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी की निदेशक अर्चना तिवारी तथा स्नातकोत्तर परीक्षा नियंत्रक को नोटिस जारी कर तीन दिन के भीतर लिखित स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए हैं. नोटिस में कहा गया है कि 3 जुलाई को विश्वविद्यालय स्तरीय स्नातकोत्तर परीक्षा के प्रश्नपत्र विभाग से अनधिकृत रूप से चोरी अथवा लीक हो गए, जो अत्यंत गंभीर और संवेदनशील मामला है. इससे विश्वविद्यालय की परीक्षा व्यवस्था, गोपनीयता और सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं.

नोटिस में यह भी उल्लेख किया गया है कि परीक्षा नियंत्रक के रूप में प्रश्नपत्रों की गोपनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करना संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी थी. ऐसे में इस घटना ने परीक्षा प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर संदेह पैदा कर दिया है. इसलिए निर्धारित समय सीमा के भीतर विस्तृत जवाब प्रस्तुत करना अनिवार्य किया गया है.

घटना के बाद छात्र संगठनों ने भी विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने प्रश्नपत्र चोरी की निष्पक्ष जांच, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और परीक्षा व्यवस्था में जवाबदेही तय करने की मांग की है. दोनों संगठनों ने सोमवार को विश्वविद्यालय परिसर में प्रदर्शन करने की भी घोषणा की है.

वहीं, मध्य प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी इस मामले को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा है. उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि प्रदेश में चोरी सामान्य बात बन गई है और अब छात्रों का भविष्य भी सुरक्षित नहीं है. उनके अनुसार यह केवल प्रश्न पत्रों की चोरी नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की मेहनत, विश्वास और भविष्य के साथ खिलवाड़ है. फिलहाल पुलिस और विश्वविद्यालय प्रशासन संयुक्त रूप से मामले की जांच में जुटे हैं तथा प्रश्नपत्र चोरी के पीछे शामिल लोगों की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं.

आस्ट्रेलिया दौरे से पहले पीएम मोदी को मिली जान से मारने की धमकी, पुलिस ने शुरु की जांच

नई दिल्ली.(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी 9 जुलाई को प्रस्तावित ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं. मेलबर्न में आयोजित होने वाले मेलबर्न मीट्स मोदी कार्यक्रम को लेकर सोशल मीडिया पर मिली कथित जान से मारने की धमकी के बाद ऑस्ट्रेलियन फेडरल पुलिस ने जांच शुरू कर दी है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, धमकी फेसबुक पर कार्यक्रम के प्रचार से जुड़ी एक पोस्ट के नीचे दी गई थी.

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मेलबर्न के मार्वल स्टेडियम में होने वाले सामुदायिक कार्यक्रम के प्रचार वाली फेसबुक पोस्ट पर अबू मुस्तफा नाम के अकाउंट से कथित तौर पर धमकी भरी टिप्पणी की गई. रिपोर्ट के मुताबिक, कमेंट में लिखा गया था कि कार्यक्रम के दौरान स्टेडियम की छत बंद रहनी चाहिए, अन्यथा प्रधानमंत्री मोदी ऑस्ट्रेलिया अपनी मौत के लिए आ रहे हैं. यह टिप्पणी सामने आने के बाद मामला तुरंत ऑस्ट्रेलियन फेडरल पुलिस को भेज दिया गया. मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि जांच एजेंसियों ने इस सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़े आईपी एड्रेस की पहचान कर ली है.

अब यह पता लगाया जा रहा है कि कथित टिप्पणी किस व्यक्ति ने की और इसके पीछे उसकी क्या मंशा थी. साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि क्या इस मामले में ऑस्ट्रेलिया के आपराधिक कानूनों का उल्लंघन हुआ है. हालांकि, ऑस्ट्रेलियन फेडरल पुलिस ने अब तक जांच को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है. स्थानीय मीडिया के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया की सुरक्षा एजेंसियां किसी भी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष या सरकार प्रमुख को दी गई धमकी को बेहद गंभीरता से लेती हैं. इसी वजह से मामले की गहन जांच की जा रही है और सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा भी शुरू कर दी गई है. प्रधानमंत्री मोदी के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान सुरक्षा की जिम्मेदारी ऑस्ट्रेलियन फेडरल पुलिस, संबंधित राज्य पुलिस और विशेष सुरक्षा इकाइयों के पास होगी. दौरे से जुड़े सभी कार्यक्रमों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की जा रही है ताकि किसी भी संभावित खतरे से निपटा जा सके. प्रधानमंत्री मोदी अपने दौरे के दौरान द्विपक्षीय वार्ताओं में हिस्सा लेने के अलावा भारतीय समुदाय को भी संबोधित करेंगे. इसी क्रम में मेलबर्न का मेलबर्न मीट्स मोदी कार्यक्रम दौरे का प्रमुख आकर्षण माना जा रहा है.

दमोह बस स्टैंड के कुएं में 14 वर्षीय किशोर का शव मिला

दमोह। शहर के सरकारी बस स्टैंड के पास स्थित एक कुएं में शुक्रवार शाम 14 वर्षीय किशोर का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची तथा रेस्क्यू अभियान चलाकर शव को कुएं से बाहर निकाला। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान बड़ा पुरा निवासी 14 वर्षीय राज अहिरवार, पिता देवराज अहिरवार के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि राज डिस्पोजल और पॉलिथीन बीनने का काम करता था। स्थानीय लोगों के मुताबिक, शुक्रवार दोपहर राज को इसी कुएं के पास बैठे और घूमते हुए देखा गया था। लोगों ने उसे वहां से हटा भी दिया था। हालांकि, वह कुएं में कब और कैसे गिरा, इसका फिलहाल पता नहीं चल सका है।

मैहर में दर्दनाक हादसा कुएं में गिरे बैल को बचाने उतरे एक ही परिवार के 3 लोगों की जहरीली गैस से मौत

मैहर-(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के मैहर जिले में शुक्रवार की देर रात एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया हैण् अमरपाटन थाना क्षेत्र के खरामसेदा गांव के अहिरान टोला में एक 40 फीट गहरे कुएं में गिरे बैल को बचाने की कोशिश के दौरान एक ही परिवार के तीन सदस्यों की जहरीली गैस की चपेट में आने से मौत हो गई स्थानीय पुलिस ने शनिवार को इस घटना की पुष्टि की हैण् हादसे में परिवार का एक चौथा सदस्य भी गंभीर रूप से झुलस गया हैए जिसे नाजुक हालत में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है अमरपाटन थाना प्रभारी विजय सिंह परस्ते से मिली जानकारी के अनुसार यह घटना शुक्रवार रात करीब 8.30 बजे की हैण् गांव के निवासी रामनिवास कुशवाहा के स्वामित्व वाले एक गहरे कुएं में एक बैल अचानक गिर गया थ्ण् पशु को सुरक्षित बाहर निकालने के प्रयास में गांव के चार लोग एक रस्सी के सहारे एक.दूसरे के बाद कुएं के भीतर उतरेए लेकिन कुएं की गहराई में अत्यधिक ऑक्सीजन की कमी और वहां बनी जहरीली गैसों के तात्कालिक प्रभाव के कारण चारों लोग कुछ ही पलों में अचेत हो गएण् कुएं के बाहर खड़े ग्रामीणों ने जब कोई हलचल नहीं देखीए तो तुरंत राहत कार्य शुरू किया और कड़ी मशक्कत के बाद चारों अचेत पुरुषों को बाहर निकाला ग्रामीणों द्वारा बाहर निकाले जाने के तुरंत बाद चारों पीड़ितों को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गयाण् जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया मृतकों की पहचान राहुल यादव ;36 वर्ष वीरेंद्र यादव ;40 वर्ष और कृष्णदत्त यादव ;26 वर्ष के रूप में हुई है चौथे व्यक्ति 50 वर्षीय रामचंद्र यादवए इस जहरीली गैस के प्रभाव में आने के बाद जीवित बच गएण् लेकिन उनकी स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है स्थानीय डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें विशेष इलाज के लिए सतना जिला अस्पताल रेफर कर दिया है

वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में पीएसी जवान की कार्बाइन से चली गोली, 3 श्रद्धालु घायल, मची अफरा-तफरी

वाराणसी. (आरएनएस)। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के गेट नंबर-4बी के पास शनिवार 4 जुलाई की सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब ड्यूटी पर तैनात पीएसी के एक जवान की कार्बाइन से कथित तौर पर अचानक गोली चल गई.. गोली पत्थर से टकराने के बाद उसके छर्रे और गिट्टियां आसपास मौजूद श्रद्धालुओं की ओर उछल गईं, जिससे तीन लोग घायल हो गए.. घटना के बाद मंदिर परिसर में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया.. हालांकि पुलिस और सुरक्षा कर्मियों ने तत्काल स्थिति पर नियंत्रण पा लिया. घायलों की पहचान निक्की गुप्ता, राम बाबू और विकास यादव के रूप में हुई है.. सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा तीनों घायलों को मंडलीय चिकित्सालय, कबीरचौरा भेजा गया.. प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने सभी की हालत सामान्य बताई है.. किसी भी घायल को गंभीर चोट नहीं आई है.. प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घटना शनिवार सुबह करीब सात बजे हुई.. बताया जा रहा है कि ड्यूटी के दौरान पीएसी जवान की कार्बाइन से गलती से फायर हो गया.. गोली सीधे किसी व्यक्ति को नहीं लगी, बल्कि पत्थर से टकराने के बाद उसके छर्रे और पत्थर के छोटे टुकड़े

आसपास खड़े लोगों को लगे, जिससे वे घायल हो गए.. घटना के बाद मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं में कुछ समय के लिए दहशत का माहौल बन गया. सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे.. उन्होंने मौके का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया.. एहतियात के तौर पर मंदिर परिसर और आसपास के इलाके में सुरक्षा और कड़ी कर दी गई है.. पुलिस ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटा लिए हैं और संबंधित पीएसी जवान से भी पूछताछ की जा रही है.. पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्रथम दृष्टया मामला कार्बाइन से आकस्मिक फायरिंग का प्रतीत हो रहा है.. हालांकि, घटना की विस्तृत जांच कराई जा रही है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि गोली किन परिस्थितियों में चली और कहीं सुरक्षा मानकों के पालन में किसी प्रकार की लापरवाही तो नहीं हुई..

एमपी में बारिश का कहर

नर्मदापुरम-खंडवा हाईवे बंद, नदियां उफान पर; कई गांवों का संपर्क टूटा

भोपाल। (आरएनएस)। मध्य प्रदेश में मानसून पूरी तरह सक्रिय है और लगातार हो रही भारी बारिश से कई जिलों में जनजीवन प्रभावित हो गया है। पिछले 24 घंटे में प्रदेश के 40 से अधिक जिलों में तेज बारिश दर्ज की गई। नदियों और नालों के उफान पर आने से कई सड़कें और पुल जलमग्न हो गए हैं, जबकि कई गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया है। हरदा में कालीमाचक नदी का पानी पुल से करीब तीन फीट ऊपर बहने के कारण नर्मदापुरम-खंडवा हाईवे बंद कर दिया गया है।

खंडवा जिले के किल्लौद ब्लॉक के ग्राम गरबड़ी स्थित नाले में बाढ़ आने से खिरकिया मार्ग पर आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। प्रशासन ने लोगों से

अपील की है कि पानी का बहाव कम होने तक किसी भी पुल या नाले को पार करने का प्रयास न करें।

सीहोर जिले के आष्टा क्षेत्र में शुक्रवार रात से जारी मूसलाधार बारिश के कारण पार्वती, पपनास और नेवज नदियां उफान पर हैं। खाचरोद, मेहतवाड़ा, मैना, कोठरी, भंवरा, बागैर, सिंगारचोरी, हराजखेड़ी, ढकनी और मुगली सहित कई गांवों के घरों में पानी घुस गया है। खेतों में भी जलभराव होने से सोयाबीन की फसल को नुकसान पहुंचा है। अमलाहा-गोलूखेड़ी मार्ग पर अजनाल नदी का पानी पुल के ऊपर से बहने के कारण यातायात प्रभावित है।

भिंड जिले में सिंध नदी के किनारे बसे गांवों में भी दहशत का माहौल है। लगातार बारिश के बीच ग्रामीण संभावित बाढ़ को देखते हुए सुरक्षित स्थानों पर जाने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं उज्जैन में ग्राम पंचायत के सहायक सचिव सूर्यप्रकाश सिंह सोनगिरा का शव घटना के करीब 36 घंटे बाद चंबल नदी से बरामद किया गया। वे तेज बहाव में पुलिया पार करते समय बाइक सहित बह गए थे।

मौसम विभाग के अनुसार इंदौर में ढाई इंच से अधिक, मंडला में 2.2 इंच, खंडवा में पौने दो इंच, भोपाल में डेढ़ इंच, जबकि दतिया, नौगांव, बालाघाट, रतलाम, बैतूल, धार, नर्मदापुरम, जबलपुर, उमरिया सहित कई जिलों में अच्छी बारिश दर्ज की गई है। प्रदेश में अब तक सामान्य से करीब 13 प्रतिशत कम बारिश हुई है, हालांकि पश्चिमी मध्य प्रदेश में औसत से अधिक वर्षा रिकॉर्ड की गई है।

मौसम विभाग ने इंदौर, उज्जैन समेत प्रदेश के 19 जिलों में शनिवार को भारी से अति भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। प्रशासन ने लोगों से नदी, नाले और जलमग्न पुल-पुलियों से दूर रहने तथा केवल सुरक्षित मार्गों का उपयोग करने की अपील की है।

भारत ने पाकिस्तान के 23 नागरिकों को घोषित किया गया आतंकी, गृह मंत्रालय का बड़ा एक्शन

नई दिल्ली. (आरएनएस)। आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई को और सख्त बनाते हुए केंद्र सरकार ने 23 आतंकियों को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत व्यक्तिगत रूप से आतंकवादी घोषित कर दिया है. गृह मंत्रालय की ओर से जारी गजट अधिसूचना के अनुसार, इन सभी के नाम इस की चौथी अनुसूची में शामिल किए गए हैं. सरकार का कहना है कि इन व्यक्तियों की गतिविधियां भारत की सुरक्षा और संप्रभुता के लिए गंभीर खतरा हैं. सरकार की ओर से घोषित अधिकांश आतंकी पाकिस्तान या पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में सक्रिय बताए गए हैं. इनका संबंध मुख्य रूप से जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे प्रतिबंधित आतंकी संगठनों से माना गया है. सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, ये आतंकी लंबे समय से भारत विरोधी गतिविधियों, आतंकवादी साजिशों और सीमा पार से हमलों की योजना बनाने

में शामिल रहे हैं.

गृहमंत्रालय की ओर से जारी नई सूची में मसूद इलियास कश्मीरी, मोहम्मद मुसादिक, मुफ्ती मोहम्मद असगर खान और हाफिज अब्दुल शकूर जैसे नाम शामिल हैं. जांच एजेंसियों के अनुसार, इनका संबंध 2016 के नगरोटा सेना शिविर हमले और 2022 के जम्मू के सुंजवां क्षेत्र में सुरक्षा बलों पर हुए आतंकी हमले से जोड़ा गया है. इसके अलावा लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े अब्दुल रऊफ और हाफिज खालिद वलीद को संगठन के शीर्ष नेतृत्व के करीबी सहयोगियों में गिना जाता है और उन पर आतंकी नेटवर्क को मजबूत करने का आरोप है. इस अधिसूचना में सबसे ज्यादा ध्यान आकर्षित करने वाला नाम मोहम्मद शहीद फैसल उर्फ उस्ताद उर्फ जाकिर का है. सरकारी रिकॉर्ड के मुताबिक उसका स्थायी पता कर्नाटक के बेंगलुरु में है, जबकि वर्तमान में वह पाकिस्तान के रावलपिंडी में रह रहा है.

गुना में दिल दहला देने वाली वारदात

जमीन विवाद में गर्भवती महिला के पेट में मारी लात, 6 माह के जुड़वां बच्चों की मौत

गुना।(आरएनएस)। कैंट थाना क्षेत्र के ग्राम किशनगढ़ में दो पक्षों में जमीन के विवाद में मारपीट हो गई। इसके बाद एक पक्ष ने दूसरे पर हमला कर दिया, जिसमें बीच-बचाव के दौरान एक गर्भवती महिला की मारपीट भी कर दी गई, इसके पेट में हमलावरों द्वारा लात मारने से उसके जुड़वा बच्चों का गर्भपात हो गया।

फरियादी बाबूलाल पुत्र गोकुल सिंह लोधा उम्र 62 वर्ष ने बताया कि बीती शाम करीब 5.30 बजे वह अपने बेटे रामस्वरूप के साथ घर के बाहर बैठा था। इसी दौरान गांव के ही बद्री लोधा, सोनू लोधा, कैलाश लोधा आए और जमीन के विवाद पर गाली देने लगे। गाली देने से मना करने पर लाठी-डंडे से मारपीट की। रामस्वरूप की पत्नी भूलीबाई बचाने आई तो उसकी भी मारपीट की। इसके बाद आरोपी धमकी देकर चले गए। बाद में शाम को दूसरे पक्ष ने फिर महिलाओं सहित आकर हमला किया। बाबूलाल के बेटे संजय लोधा ने बताया कि इस दौरान आरोपित लाठी-डंडे, कुल्हाड़ी, हंसिया, फर्सा आदि लेकर आए। हमने समझौता करने की बात की, लेकिन उन्होंने हमला किया।

दतिया उपचुनाव- गुटबाजी थामने के लिए एक मंच पर आए दिग्विजय सिंह और जीतू पटवारी, कार्यकर्ताओं के बीच बैठकर किया महामंथन

दतिया। (आरएनएस)। दतिया विधानसभा सीट पर होने वाले आगामी उपचुनाव को लेकर सियासी पारा चढ़ गया है। कांग्रेस पार्टी के भीतर मची अंदरूनी खींचतान और गुटबाजी को थामने के साथ-साथ चुनावी रणनीति को धार देने के लिए आज शनिवार को दतिया के मोटल होटल में कांग्रेस का एक बड़ा कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन की सबसे बड़ी और खास बात यह रही कि पिछले दिनों हुई तीखी बयानबाजी के बाद पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी आज दतिया में एक-साथ पहुंचे। दोनों दिग्गजों का यह साथ आना कार्यकर्ताओं में एकजुटता का संदेश देने की बड़ी कोशिश माना जा रहा है।

दोनों नेता अपने निर्धारित समय से करीब साढ़े तीन घंटे की देरी से कार्यक्रम स्थल पहुंचे, लेकिन उनके आगमन की सूचना मिलते ही कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन स्थल पर भारी संख्या में जुट गए। जैसे ही दिग्विजय सिंह और जीतू पटवारी आयोजन स्थल पर पहुंचे, कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया और पूरे माहौल में उत्साह छा गया। इस दौरान दोनों ही बड़े नेता मंच के बजाय कार्यकर्ताओं के बीच बैठकर ही कार्यक्रम में शामिल हुए। इस सम्मेलन में जिले सहित आसपास के क्षेत्रों से आए कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना रांझी में ललित भूमिया उम्र 27 वर्ष निवासी भूमिया मोहल्ला इंद्रानगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी भतीजी रश्मि भूमिया की शादी थी रिश्तेदारों का आना जाना लगा था तभी मंजीत चौधरी, सोनू चौधरी आकर उसके बड़े भाई अमर भूमिया से शराब पीने के लिये एक हजार रूपये मांगने लगे, उसके भाई ने रूपये देने से मना किया तो, गाली गलोज करने लगे, गालियां देने से मना करने पर मंजीत चोधरी ने चाकू निकालकर तेजी से घुमाया उसके भाई के हाथ वं पेट में चोट आयी, वह भाई को बचाने दौड़ा, सोनू चौधरी उसके साथ मारपीट कर सिर में चोट पहुँचाया

जेडीए अध्यक्ष ने दिए डिजिटल इंडिया और ग्रीन एनर्जी को लेकर कड़े निर्देश

जबलपुर विकास प्राधिकरण होगा पूरी तरह हाईटेक- अध्यक्ष संदीप जैन

कार्यों में पारदर्शिता और गति लाने के लिए लागू होगी ई-फाइलिंग और ई-अटेंडेंस प्रणाली

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्रीनरेंद्र मोदी के %डिजिटल इंडिया% अभियान को गति देने और जबलपुर विकास प्राधिकरण के कामकाज को अधिक पारदर्शी, सुगम व पर्यावरण संरक्षण अनुकूल परियोजनाओं को बनाने के उद्देश्य से आज जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री संदीप जैन द्वारा विभिन्न विभागों की एक अत्यंत महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में प्राधिकरण के सभी विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

जेडीए अध्यक्ष श्री संदीप जैन ने कहा

कि भारत आज प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हरित ऊर्जा, सौर ऊर्जा और डिजिटल क्रांति के क्षेत्र में विश्व के अग्रणी देशों में अपनी पहचान स्थापित कर रहा है। ग्रीन एनर्जी केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं है, बल्कि यह आत्मनिर्भर भारत, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास का सशक्त आधार भी बन रही है सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। देश में सौर ऊर्जा क्षमता में लगातार वृद्धि हुई अब जबलपुर विकास प्राधिकरण प्रधानमंत्री की मंशा अनुरूप प्राधिकरण द्वारा संचालित विभिन्न परियोजनाओं में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम पर्यावरण संरक्षण हेतु आवश्यक तकनीक के साथ काम करेगा, प्राधिकरण परिसर में सोलर सिस्टम, वॉटर हार्वेस्टिंग पर विशेष जोर दिया जाएगा।

श्री संदीप जैन ने कहा कि डिजिटल इंडिया अभियान ने देश के विकास को नई गति प्रदान की है। आज जनकल्याणकारी योजनाएं डिजिटल माध्यम से आम नागरिक तक पहुंच रही हैं। डिजिटल तकनीक ने पारदर्शिता बढ़ाई है, भ्रष्टाचार को कम किया है और सेवा वितरण को अधिक प्रभावी बनाया है।उन्होंने कहा कि प्राधिकरण के शत-प्रतिशत कंप्यूटराइजेशन (संगणकीकरण) पर विशेष बल दिया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि आने वाले समय में जेडीए को पूरी तरह से पेपरलेस और डिजिटल किया जाए। इसके लिए ई-फाइलिंग प्रणाली को अनिवार्य रूप से लागू किया जाएगा, जिससे फाइलों का निपटारा तेजी से हो सके और कार्यों में लेत-लतीफी पर लगाम लगेगी एवं आम जनता और हितग्राहियों को घर बैठे मिलेगा जेडीए की सभी योजनाओं का लाभ प्राप्त हो सकेगा।

श्री संदीप जैन ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्राधिकरण में अनुशासन और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए ई-अटेंडेंस (डिजिटल उपस्थिति) और ई-विजिटर (डिजिटल आगंतुक प्रणाली) शुरू करना अतिआवश्यक है, जहां एक ओर कर्मचारियों की समयबद्धता सुनिश्चित होगी, वहीं दूसरी ओर प्राधिकरण में आने वाले नागरिकों का डिजिटल रिकॉर्ड रखा जा सकेगा, जिससे उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण हो सके।ई-अटेंडेंस और ई-विजिटर सिस्टम से अधिकारियों, कर्मचारियों की जवाबदेही बढ़ेगी पारदर्शिता आएगी। आगंतुकों की समस्याओं का समयसीमा में निराकरण हो जाएगा।

श्री संदीप जैन ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सामान्य जनता और जेडीए के हितग्राहियों को दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें। प्राधिकरण की सभी योजनाओं का लाभ सीधे और ऑनलाइन माध्यम से उन तक पहुंचे, इसके लिए पुख्ता तकनीकी इंतजाम किए जाएं।

पर्यावरण संरक्षणः ग्रीन एनर्जी, सोलर एनर्जी और वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अनिवार्य

ग्रीन एनर्जी और डिजिटल इंडिया का समन्वय भारत के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है,प्राधिकरण को आधुनिक बनाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए अध्यक्ष ने परिसर में ग्रीन एनर्जी, सोलर सिस्टम और वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम (जल संवर्धन प्रणाली) को जल्द से जल्द स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जेडीए को ऊर्जा संरक्षण के मामले में एक मिसाल बनना होगा।

अध्यक्ष श्री संदीप जैन ने कहा कि

हमारा उद्देश्य जबलपुर विकास प्राधिकरण को पूरी तरह से आधुनिक, पारदर्शी और जनता के प्रति जवाबदेह बनाना है। %डिजिटल इंडिया% सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि कार्यसंस्कृति में बदलाव का माध्यम है। तकनीक और ग्रीन एनर्जी के समावेश से हम जनता को बेहतर और त्वरित सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा का 259 वाँ वर्ष पत्रक पूजन संपन्न

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। संस्कारधानी का 500 वर्ष पूर्व अति प्राचीन मंदिर से आषाढ़ माह की द्वितीया तिथि को जगन्नाथ पुरी की तर्ज में भगवान जगन्नाथ स्वामी बलभद्र भैया सुभद्रा मैया की 259 वीं रथ यात्रा का आयोजन 16 जुलाई को श्री जगदीश मंदिर गणेश मंदिर लोक न्यास के तत्वावधान में किया जाना है, आज भगवान जगन्नाथ स्वामी के रथ यात्रा के पत्रक पूजन वैदिक मंत्रों के साथ विधि विधान से राइट टाउन प्रेम मंदिर की वरिष्ठ पुजारी पं.रामकृष्ण पाठक,जगदीश मंदिर के पं.देवेंद्र त्रिपाठी के सानिध्य में किया गया।श्री जगदीश मंदिर ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी लाल ज्ञानेंद्र सिंह बघेल (अधिवक्ता) ने बताया

गढ़ाफाटक स्थित जगदीश मंदिर जो संस्कारधानी का हृदय स्थल है जहां पर समय-समय पर धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन निरंतर किया जाता है,यह वार्षिक उत्सव भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा के रूप में पूरे नगर को भक्ति रस में डुबो देता है जिसमें चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल जबालीपुरम की अगुवाई में संस्कारधानी के गणमान्य संत महंत एवं समस्त सनातनी भक्तजन भाव विभोर होकर भगवान की रथ यात्रा में बड़ी संख्या में सम्मिलित होते हैं।

इस अवसर पर प्रबंध न्यासी लाल ज्ञानेंद्र सिंह बघेल,प्रबंधक मोहित तिवारी,लाल अच्युतेंद्र सिंह बघेल,संकीर्तनाचार्य पं. मनमोहन दुबे,देवेंद्र नेमा,अतुल कुमार पटेल,मोहित पटेल, राकेश उपाध्याय,डी.के दुबे, विशाल पंड्या,एड.कु.शिखा सिंह बघेल, एड.सुजीत सिंह रघुवंशी, एड. दीपक कुमार विश्वकर्मा,नरेंद्र गौतम, मधुकर राव,सुनील गुप्ता, पीतल पटेल, नत्थू दादा,आदि उपस्थित रहे।

खाते में अवकाश जमा ,फिर भी कटेगा वेतन ई अटेंडेंस के नाम पर शिक्षकों का शोषण

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)।/ एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज ना होने पर कर्मचारी को अनुपस्थित मानकर वेतन काट लिया जाएगा। जबकि कर्मचारी के खाते में अवकाश जमा है, उसे अवकाश पर रहने की पात्रता है, आयुक्त लोक शिक्षण मध्यप्रदेश अभिषेक सिंह द्वारा जून 2026 के जारी निर्देश में

जिला शिक्षा अधिकारी, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी ,संकुल प्राचार्य, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय/हाई स्कूल, एवं शालाओं के प्राचार्य, शिक्षक एवं समस्त अमले को ई-अटेंडेंस लगाने कहा गया है ,शाला संकुल प्राचार्य को यह सुनिश्चित करने कहा गया है कि ई-अटैन्डेस के आधार पर ही वेतन आहरण देयक तैयार कर आहरण अधिकारी/विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी की ओर आहरण हेतु प्रेषित किया जाये। बिना ई-अटेंडेंस के वेतन आहरण के लिए देयक ना भेजें जाए। आयुक्त लोक शिक्षण मध्य प्रदेश के निर्देश से शिक्षकों में भारी असंतोष है मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के अटल उपाध्याय, देवेंद्र पचौरी, आलोक अग्निहोत्री, सतीश उपाध्याय,राजेश चतुर्वेदी, नरेश शुक्ला, विवेक रंजन शुक्ला, राम शंकर शुक्ला, राजा राम डेहरिया, वीरेन्द्र चंदेल, एस.पी. बाथरे, शहजाद सिंह द्विवेदी,रजनीश पाण्डे, दालचंद पासी, अजय दुबे, दिलराज झारिया, राकेश वर्मा, शैलेन्द्र गौतम, सतीश देशमुख, निशांक तिवारी, अंकित चौरसिया, शैलेन्द्र दुबे, अमित पटेल, विशाल मसीह, मनोहर रजक,अर्जुन सोमवंशी, मनीष लोहिया, सुशील गुप्ता, विनय नामदेव, अरुण पटेल, इन्द्रप्रताप यादव ने मांग की है कि जब कर्मचारी के खाते में अवकाश जमा है तो उनका वेतन नहीं काटा जाना चाहिए,आकस्मिक, अर्जित, चिकित्सा या अन्य अवकाश जमा है तो उन्हें अनुपस्थित ना माना जाए, उन्हें अवकाश लेने का अवसर दिया जाना चाहिए, अवकाश आवेदन समय पर स्वीकृत ना होने के कारण भी कर्मचारी को दंड नहीं दिया जाना चाहिए। संघ ने आदेश में संशोधन करने की मांग की है।

नयन को मिला कबीर सम्मान

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। सतगुरु कबीर महोत्सव शहडोल में होलकर प्रसाद वर्मा स्मृति समारोह के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आजाद वतन वर्मा के संयोजन में का किया गया जिसमें देश भर के प्रतिष्ठित कवियों ने रचना पाठ किया इस अवसर पर संस्कारधानी के गौरव पुत्र वरिष्ठ साहित्यकार प्रसंग अंतरराष्ट्रीय संस्था के संस्थापक इंजीनियर विनोद नयन को कबीर सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अशोक मनोध्याय, मथुरा उत्साही, आचार्य भगवत दुबे, डॉ अनामिका तिवारी, अर्चना मलैया, अभय तिवारी, डॉ छाया सिंह, डॉ मुकुल तिवारी, बसंत शर्मा, डॉ रानू रूही, डॉ विनीता पांडेय विनीत,इंदु सिंह कंचन, डॉ गीता पाण्डेय,एड तृप्ति त्रिवेदी, सुभाष मणि बैरागी, विजय बागरी, राजकुमार महोबिया, आदि ने बधाई देकर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

51 पौधों का रोपण कर मनाया जन्मदिन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से श्रीरामशंकर शुक्ला सहायक शिक्षक उ मा विद्यालय कमला नेहरू विगत 10 वर्षों से पौधा रोपण कर अपना जन्मदिन मनाते आ रहे हैं,इसी उपलक्ष्य में आज 1 जुलाई को मालवीय चौक के पास अंजुमन इस्लामिया हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के 51 पौधों का रोपण किया गया।कार्यक्रम में उपस्थित सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए प्रत्येक पौधे की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का दायित्व भी स्वीकार किया।

श्री रामशंकर शुक्ला,एच पी तिवारी,इन्द्रपुरी गोस्वामी,रत्नेश मिश्रा,राकेश उपाध्याय,दीनानाथ चौधरी,केशव दुबे,इन्द्रसिंह राजपूत,मनीष जैन प्रेमशंकर उपाध्याय आदि वक्ताओं ने कहा कि वृक्ष केवल प्रकृति की धरोहर ही नहीं, बल्कि मानव जीवन के आधार हैं। वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण आवश्यक है।

विद्यालय प्रबंधन के प्राचार्य द्वय मो.इदरीश ,शबाना अंसारी,ने विद्यार्थियों को अपने जीवन के प्रत्येक महत्वपूर्ण अवसर पर कम से कम एक

पौधा लगाने तथा उसके संरक्षण का संदेश दिया। पर्यावरण संरक्षण के लिए सतत प्रयास करने वाले श्री रामशंकर शुक्ला जी का वाँ जन्मदिन मनाते हुए उनके स्वस्थ व दीर्घायु जीवन की कामना की ।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने हरित एवं स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाने का संकल्प दोहराया।

वैश्विक मापदंडों के अनुरुप हो हमारी शिक्षा पद्धति

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)।-सिख समाज की धार्मिक एवं सामाजिक संस्था गुरमति मिशन जबलपुर सर्किल द्वारा जी डी गोयनका इंटरनेशनल स्कूल के चेयरमैन सरबजीत सिंह मोखा को शाल श्रीफल और प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। मिशन के अध्यक्ष मंजीत सिंह बेदी ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में इस विद्यालय ने नगर प्रदेश का नाम पूरे देश में रोशन किया है,

यह हम संस्कारधानीवासियों के लिए गर्व और गौरव का विषय है। प्रत्युत्तर में श्री सरबजीत सिंह मोखा ने कहा कि आज जरूरत है कि हमारी शिक्षा पद्धति वैश्विक मापदंडों के अनुरूप हो ताकि हमारी भावी पीढ़ी विश्वस्तर पर हर क्षेत्र में बड़ी सफलताओं की पताकाएं फहरा सकें । इस मौके पर संस्था के वरिष्ठ पदाधिकारी बलजीत सिंह साहनी, जे एस उप्पल, मंजीतसिंह, अधिवक्ता जतिंदर पाल सिंह ओबेरॉय, फुलवीर सिंह फूल, परमजीत सिंह पटियाला एवं सदस्यगण उपस्थित रहे ।

दयोदय एक्सप्रेस अक्टूबर में एक ट्रिप आंशिक निरस्त

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल के मांडावरिया-किशनगढ़ रेलखंड में ब्रिज संख्या 292 पर आरसीसी बॉक्स द्वारा स्टोन स्लैब प्रतिस्थापन कार्य किए जाने के कारण पश्चिम मध्य रेल से प्रारंभ/टर्मिनेट होने वाली गाड़ी संख्या 12181/12182 जबलपुर-अजमेर-जबलपुर दयोदय एक्सप्रेस अक्टूबर माह में दोनों दिशाओं में 01-01 ट्रिप जयपुर-अजमेर के बीच आंशिक निरस्त रहेगी। जोकि इस प्रकार है-

1) गाड़ी संख्या 12181 जबलपुर-अजमेर एक्सप्रेस दिनांक 24 अक्टूबर 2026 को जबलपुर से अपने निर्धारित समयानुसार प्रस्थान कर जयपुर स्टेशन तक ही संचालित होगी। अर्थात जयपुर-अजमेर रेलखंड के मध्य यह गाड़ी आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

2) गाड़ी संख्या 12182 अजमेर-जबलपुर एक्सप्रेस दिनांक 25 अक्टूबर 2026 को अपने निर्धारित प्रारंभिक स्टेशन अजमेर के स्थान पर जयपुर स्टेशन से अपने निर्धारित समयानुसार प्रस्थान कर जबलपुर तक संचालित होगी। अर्थात अजमेर-जयपुर रेलखंड के मध्य यह गाड़ी आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

रेल प्रशासन ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि यात्रा से पूर्व ट्रेन की समय-सारणी, परिचालन स्थिति एवं आरक्षण संबंधी अद्यतन जानकारी रेल मदद (139), एनटीईएस अथवा रेलवे की अधिकृत वेबसाइट से प्राप्त कर यात्रा का लाभ लें।

रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। संत रहीम का यह अमर दोहा भारतीय जीवन-दर्शन की गहराइयों को अत्यंत सहज शब्दों में अभिव्यक्त करता है। यहाँ पानी केवल जीवनदायी जल नहीं है, बल्कि मनुष्य के व्यक्तित्व की वह आंतरिक गरिमा है, जो प्रेम, करुणा, विनम्रता, आत्मसम्मान, मर्यादा और संवेदनशीलता के रूप में प्रकट होती है। जल के बिना जैसे धरती की हरियाली, नदियों की कल-कल, खेतों की लहलहाहट और जीवन की धड़कन थम जाती है, वैसे ही हृदय से यदि दया और प्रेम का जल सूख जाए तो मनुष्य का जीवन भी भीतर से निर्जीव हो जाता है। आध्यात्मिक दृष्टि से पानी ईश्वर की कृपा, आत्मा की निर्मलता और अंत:करण की पवित्रता का प्रतीक है। जिस मन में अहंकार का ताप बढ़ जाता है, वहाँ संबंधों की नमी समाप्त होने लगती है। कटु वचन, क्रोध, ईर्ष्या और स्वार्थ उस सूखेपन के लक्षण हैं जो मनुष्य को स्वयं से और परमात्मा से दूर कर देते हैं। इसके विपरीत, विनम्रता का एक छोटा-सा झरना भी जीवन की कठोर चट्टानों को प्रेम के मार्ग में बदल देता है। संतों ने इसलिए कहा कि बाहरी वैभव से अधिक मूल्यवान वह पानी है, जो मनुष्य को मनुष्य बनाए रखता है।

आज विज्ञान ने संसार को सुविधाएँ दी हैं, पर संवेदनाएँ नहीं। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में रिश्ते औपचारिक होते जा रहे हैं ,और मनुष्य भीतर से सूखता जा रहा है। ऐसे समय में रहीम का यह संदेश एक आध्यात्मिक चेतावनी भी है और जीवन का अमृत-मंत्र भी। यदि हम अपने भीतर करुणा का सरोवर, सेवा की धारा, क्षमा की गंगा और प्रेम का अनवरत प्रवाह जीवित रखेंगे, तो हमारा जीवन ही नहीं, हमारा समाज भी सुगंधित हो उठेगा। आइए, हम अपने हृदय का पानी कभी सूखने न दें। क्योंकि जहाँ प्रेम की नमी है, वहीं मानवता है; जहाँ विनम्रता है, वहीं ईश्वर का वास है; और जहाँ आत्मीयता का जल प्रवाहित होता है, वहीं जीवन अपनी संपूर्ण सार्थकता के साथ खिल उठता है।

इटारसी नगर पालिका के करोड़ों के गबन की जांच प्रमुख सचिव 90 दिन में पूर्ण करें- हाईकोर्ट

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। म प्र उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की पीठ ने इटारसी के पत्रकार सुरेश कुमार चिंचवाड़ की याचिका में सुनवाई कर प्रमुख सचिव नगरीय प्रशासन को इटारसी नगर पालिका के करोड़ों के भ्रष्टाचार व अवैध भुगतान की जांच 90 दिन में पूर्ण करने के निर्देश दिये हैं । याचिकाकर्ता ने नगर पालिका परिषद, इटारसी को भारी वित्तीय हानि पहुँचाने के मामले में कार्रवाई करने हेतु प्रमुख सचिव, नगरीय विकास एवं आवास विभाग, मध्य प्रदेश शासन एवं अन्य अधिकारियों के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किए थे। मध्य प्रदेश नगर पालिका (लेखा एवं वित्त) नियम, 2018 के नियम 85 (2) और मध्य प्रदेश शासन के आदेश 06 अगस्त 2022 का घोर उल्लंघन करते हुए, नगर पालिका परिषद, इटारसी के अध्यक्ष श्री पंकज चौरे, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती रितु मेहरा एवं अन्य अधिकारियों ने कूटरचित (फर्जी) नोटशीट तैयार की और 35 महीनों की अवधि में ?14,20,51,378/- का धोखाधड़ीपूर्ण भुगतान किया।यह इटारसी नगर पालिका परिषद के भीतर सार्वजनिक धन के गबन (दुरुपयोग) और प्रशासनिक भ्रष्टाचार से जुड़ा एक गंभीर आरोप है। याचिकाकर्ताओं ने जांच संचालित करने हेतु कई शिकायतें और प्रतिवेदन प्रस्तुत किए, परन्तु नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा केवल आयुक्त से प्रतिवेदन बुलाने की औपचारिकता करके ठंडे बस्ते में डाल दिया। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता आशीष त्रिवेदी, आनंद शुक्ला, अपूर्व त्रिवेदी ने पैरवी की।

भोपाल -उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने वाले संस्थान नहीं, बल्कि ऐसे ज्ञान केंद्र हैं, जहाँ समाज की समस्याओं का समाधान करने वाले श्रेष्ठ, संवेदनशील, नैतिक एवं राष्ट्रनिष्ठ नागरिकों का निर्माण होता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल रोजगार के योग्य बनाना नहीं, बल्कि उन्हें समाज और राष्ट्र की आवश्यकताओं के अनुरूप सक्षम, उत्तरदायी एवं नवाचारी बनाना है। विश्वविद्यालयों को इसी लक्ष्य के साथ आगे बढ़ना होगा।

नवनिर्मित 70 सांदीपनि विद्यालयों का 15 जुलाई तक करायें लोकार्पण-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सांदीपनि विद्यालयों के समुचित प्रबंधन के लिए स्कूल शिक्षा एवं जनजातीय कार्य विभाग को दिए निर्देश

सांदीपनि विद्यालयों का लोकार्पण बने आनंदोत्सव, हर विद्यार्थी की हो सहभागिता -मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल - (आरएनएस) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को मंत्रालय प्रदेश के सभी नवनिर्मित सांदीपनि विद्यालयों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्कूल शिक्षा और जनजातीय कार्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन विद्यालयों का लोकार्पण औपचारिक कार्यक्रम न होकर शिक्षा, संस्कृति और जनभागीदारी का सामाजिक उत्सव बने। उन्होंने कहा कि वर्तमान में संचालित %स्कूल चलें अभियान% के दौरान आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों में विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों, जनप्रतिनिधियों तथा स्थानीय नागरिकों की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सांदीपनि विद्यालयों का लोकार्पण आनंद के उत्सव के रूप में मनाया जाए। यह नए भवनों के उद्घाटन के साथ हमारे नौनिहालों के उज्ज्वल भविष्य और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के नए अध्याय का शुभारंभ है। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यक्रमों को यादगार बनाने के लिए बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम, विभिन्न प्रतियोगिताएँ तथा अन्य रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की जाएँ। साथ ही सभी विद्यार्थियों को स्वल्पाहार एवं मिष्ठान्न वितरित किया जाए, जिससे यह अवसर उनके लिए अविस्मरणीय बन सके।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरु सांदीपनि के प्रेरणादायी जीवन पर आधारित एक लघु पुस्तिका (पॉकेट बुक) प्रकाशित कर विद्यार्थियों में वितरित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गुरु सांदीपनि तत्समय सामाजिक समरसता के सबसे बड़े पैरोकार थे। उन्होंने जाति, वर्ग, रंग का भेद न करके अमीर-गरीब से लेकर राज परिवार के बच्चों सहित गरीबों और किसानों के बच्चों को शिक्षा-दीक्षा दी। सभी को समान रूप से दीक्षित किया। उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में हम सबके विशेषकर विद्यार्थियों को जानना जरूरी है। इससे विद्यार्थियों को प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा, गुरु-शिष्य संबंधों और नैतिक मूल्यों के बारे में जानकारी और प्रेरणा मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिन सांदीपनि विद्यालयों का लोकार्पण पहले ही हो चुका है, वहाँ प्रवेशोत्सव उत्साहपूर्वक आयोजित किया जाए, जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थियों का विद्यालयों से जुड़ाव बढ़े। उन्होंने अधिकारियों से सभी तैयारियाँ समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक सांदीपनि विद्यालय प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण, संस्कारयुक्त और आधुनिक शिक्षा का आदर्श केंद्र बने। बैठक में जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह तथा स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने वर्चुअली सहभागिता की।

बैठक में सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. संजय गोयल ने बताया कि वर्तमान में 70 सांदीपनि विद्यालय भवनों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इसमें स्कूल शिक्षा विभाग के 46 एवं जनजातीय कार्य विभाग के 24 (कुल 70) सांदीपनि विद्यालय लोकार्पण के लिए तैयार हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिलों के प्रभारी मंत्री एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में इनका लोकार्पण कराया जाये। उन्होंने कहा कि आने वाली गुरु पूर्णिमा (29 जुलाई) के दिन हर जिले के एक सांदीपनि विद्यालय में प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया जाये। इसमें विज्ञान प्रदर्शनी आयोजन, गुरुजनों का सम्मान, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा किए गए नवाचारों की जानकारी प्रदाय, विद्यार्थियों द्वारा डिजिटल एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का प्रदर्शन सहित स्कूल के मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान जैसे आयोजन किये जायें।

बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव श्री नीरज मंडलोई, प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य श्री गुलशन बामरा सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

मध्य प्रदेश किसान सभा धरने का 74 वा दिन

गोटेगांव= मध्य प्रदेश किसान सभा बारहाबड़ा के अध्यक्ष दिनेश कुशवाहा ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि ग्राम के वार्ड क्रमांक 4एवं 5 में सड़क, बिजली, पानी, आवास, वार्ड में सामुदायिक भवन निर्माण, एवं गांव से जोड़ने नदी में रिपटा निर्माण की मांग को लेकर आज 74वे दिन अनिश्चितकालीन धरना जारी है। अभी तक ग्रामीणों को समझने कच्ची रास्ता में मिट्टी डाली गई है, 20से 25ट्रॉली बजरा डालकर कार्य बंद कर दिया गया है,

स्कूली बच्चों ने सड़क न बनने पर स्कूल का बहिष्कार कर दिया है, शासन के लोग मांगो के निराकरण का आश्वासन भर दे रहे हैं, अभी रोड का काम ऊंट के मुंह में जीरा समान हुआ है, नई मिट्टी डाले जाने से पानी गिरते ही बज बजाकर कीचड़ में तब्दील हो गई है, बजरा गायब हो गया, जगह जगह गड्ढे बन गए। शासन प्रशासन तत्काल उक्त सड़क पर पर्याप्त मात्रा में बजरा डालकर चलने लायक व्यवस्था करे, वरना आगे अब पुतला दहन, चक्का जाम, आमरण अनशन करने मजबूर होना पड़ेगा जिसकी जवाबदारी शासन प्रशासन को होगी।

कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की तस्वीर बदलेगी सुठालिया परियोजना - राज्यमंत्री पंवार

मंत्री श्री पंवार ने किया सुठालिया वृहद सिंचाई परियोजना स्थल का निरीक्षण

भोपाल-(आरएनएस) मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्यमंत्री नारायण सिंह पंवार ने प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी सुठालिया वृहद सिंचाई परियोजना के निर्माण कार्यों का स्थल पर पहुंचकर विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माणाधीन मुख्य बांध सहित परियोजना के विभिन्न कार्यों का अवलोकन कर प्रगति की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों से निर्माण की वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना के प्रत्येक कार्य को निर्धारित तकनीकी मानकों, उच्च गुणवत्ता एवं पूर्ण पारदर्शिता के साथ समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए। राज्यमंत्री श्री पंवार ने कहा कि निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए तथा गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता न हो।

पार्वती नदी पर निर्मित हो रही यह परियोजना प्रदेश की प्रमुख वृहद सिंचाई योजनाओं में शामिल है। वर्ष 2018 में इस परियोजना को ?1,375.24 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई थी। परियोजना अंतर्गत लगभग 25.50 मीटर ऊंचा, लगभग 4 किलोमीटर लंबा तथा 20 रेडियल गेटयुक्त कंपोजिट बांध निर्मित किया जा रहा है। बांध की सकल जल भंडारण क्षमता 201.35 मिलियन घनमीटर (स्ष्टरू) तथा लाइव स्टोरेज क्षमता 183.70 स्ष्टरू होगी। इसके साथ दो अत्याधुनिक पंप हाउसों का निर्माण कर प्रेशराइज्ड पाइपलाइन आधारित आधुनिक सिंचाई प्रणाली विकसित की जा रही है, जिससे लगभग 49,800 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। इस परियोजना से 174 ग्रामों को प्रत्यक्ष सिंचाई लाभ मिलेगा, जिनमें सुठालिया तहसील के 73, ब्यावरा तहसील के 71 तथा नरसिंहगढ़ तहसील के 30 ग्राम शामिल हैं। ग्राम मऊ एवं कानरखेड़ी स्थित पंप हाउसों से क्रमश: 21,077 हेक्टेयर एवं 28,723 हेक्टेयर क्षेत्र में पाइपलाइन आधारित सिंचाई व्यवस्था विकसित की जा रही है।

परियोजना की वर्तमान प्रगति की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि मुख्य बांध का लगभग 80 प्रतिशत निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। प्रभावित क्षेत्रों में राजगढ़ जिले के 34, गुना जिले के 8, भोपाल जिले के 18 तथा सीहोर जिले के 3 ग्रामों में लगभग 90 प्रतिशत भू-अर्जन कार्य पूर्ण किया जा चुका है। परियोजना से प्रभावित लगभग 1,675 परिवारों के पुनर्वास हेतु ग्राम मऊ एवं बड़ाबड़ला में सभी आवश्यक सुविधाओं से युक्त पुनर्वास कॉलोनियों का निर्माण भी किया जा चुका है।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अहमदाबाद के विकास एवं रेलवे अवसंरचना परियोजनाओं की समीक्षा की

अहमदाबाद एयरपोर्ट पर जनप्रतिनिधियों एवं जनप्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक में शहर एवं रेलवे से जुड़े पांच प्रमुख विकास कार्यों को शीघ्र पूरा करने के दिए निर्देश

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के अहमदाबाद आगमन पर आज अहमदाबाद एयरपोर्ट पर अहमदाबाद महानगर के जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर शहर एवं रेलवे अवसंरचना से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना का कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है तथा परियोजना का लगभग 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वर्ष 2027 में सूरत-बिलिमोरा खंड पर बुलेट ट्रेन सेवा का प्रथम चरण प्रारंभ किया जाएगा। इसके पश्चात क्रमिक रूप से वापी-सूरत, अहमदाबाद तथा अंतत: मुंबई तक परियोजना का विस्तार किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अहमदाबाद सहित पूरे गुजरात में विश्वस्तरीय रेलवे अवसंरचना, आधुनिक स्टेशन, बेहतर सड़क संपर्क तथा अत्याधुनिक परिवहन सुविधाओं के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से यात्रियों की सुविधा बढ़ेगी, शहरी यातायात सुगम होगा तथा क्षेत्र के समग्र आर्थिक एवं सामाजिक विकास को नई गति मिलेगी।

बैठक के उपरांत केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि आज भारत के सेमीकंडक्टर निर्माण क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक दिन है। उन्होंने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी आज साणंद में देश के तीसरे सेमीकंडक्टर प्लांट का उद्घाटन करेंगे। इससे पहले प्रधानमंत्री द्वारा 28 फरवरी एवं 31 मार्च को साणंद में दो अन्य सेमीकंडक्टर परियोजनाओं का शुभारंभ किया जा चुका है।

बैठक के दौरान अहमदाबाद शहर एवं रेलवे से जुड़े निम्नलिखित पाँच प्रमुख विकास कार्यों पर निर्णय लिया गया—

1. ओमनगर अंडरपास (ऋह्वक्क) कार्य में तेजी

केंद्रीय मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ओमनगर अंडरपास का शेष कार्य आगामी नवरात्रि महोत्सव से पूर्व हर हाल में पूरा किया जाए, ताकि नागरिकों को शीघ्र यातायात सुविधा उपलब्ध हो सके।

2. असारवा स्टेशन एवं टर्मिनल का व्यापक पुनर्विकास

असारवा क्षेत्र के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व को ध्यान में रखते हुए असारवा स्टेशन के लिए एक समग्र मास्टर प्लान तैयार किया गया है। इसके अंतर्गत नया स्टेशन भवन, आधुनिक यात्री सुविधाएँ तथा डीआरएम कार्यालय सहित आसपास के रेलवे क्षेत्र का समेकित विकास कर इसे एक आधुनिक एवं सुव्यवस्थित टर्मिनल के रूप में विकसित किया जाएगा।

3. अहमदाबाद स्टेशन पर सारंगपुर की ओर द्वितीय प्रवेश द्वार

अहमदाबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के अंतर्गत सारंगपुर दिशा से दूसरे प्रवेश द्वार एवं सड़क संपर्क के विकास पर भी सहमति बनी। इससे यात्रियों को स्टेशन तक बेहतर एवं सुगम पहुँच उपलब्ध होगी तथा आसपास के क्षेत्र का समुचित विकास संभव होगा।

4. शाहपुर-अहमदाबाद फ्लाईओवर परियोजना

शाहपुर-अहमदाबाद फ्लाईओवर के निर्माण के संबंध में भारतीय पुरातत्व एवं राष्ट्रीय स्मारक संरक्षण से जुड़े विषयों पर आवश्यक समन्वय स्थापित करने का निर्णय लिया गया। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इस संबंध में केंद्रीय संस्कृति मंत्री से चर्चा की गई है तथा सभी आवश्यक अनुमतियाँ प्राप्त कर परियोजना को आगे बढ़ाया जाएगा।

5. साबरमती स्टेशन रोड विस्तार

साबरमती रेलवे स्टेशन तक बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्टेशन रोड के विस्तार एवं समग्र विकास के लिए संयुक्त कार्ययोजना तैयार करने पर सहमति बनी। इससे यात्रियों एवं स्थानीय नागरिकों को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध होगी। बैठक में अहमदाबाद महानगर भाजपा अध्यक्ष श्री प्रेरकभाई शाह, महामंत्री श्री दर्शक ठाकर, श्री गौतमभाई कथीरिया, श्री उमंगभाई नायक, अहमदाबाद महानगरपालिका के महापौर श्री हितेशभाई बारोट, उपमहापौर श्रीमती अंजूबेन शाह, स्टैंडिंग कमेटी के अध्यक्ष श्री कमलेशभाई पटेल, नगर निगम में भाजपा नेता श्री जशुभाई ठाकोर, मुख्य सचेतक श्री अतुलभाई मिश्रा तथा पार्षद श्री सनी खांचंदानी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेस जिला सचिव के निवास पहुंचे पूर्व विधानसभा अध्यक्ष

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ने दी श्रद्धांजलि

माताजी के निधन पर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

गोटेगांव=विगत दिवस मध्यप्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एन पी प्रजापति शनिवार को गोटेगांव के गांधी वार्ड पहुंचे जहां उन्होंने कांग्रेस जिला सचिव एवं गांधीवार्ड पार्षद प्रतिनिधि दीनूसिंह छिरा के निवास पहुंचकर पूज्य स्व. माता जी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

शोक संवेदना पर श्री प्रजापति ने दीनू सिंह छिरा एवं उनके परिवारजनों से मिलकर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि माता का निधन परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिवार को यह दुख सहने की शक्ति दें।इस दौरान श्री प्रजापति के साथ रहे सभी पदाधिकारियों ने भी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर कांग्रेस पदाधिकारी एवं सभी कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

भाजपा का जिला कार्यकर्ता सम्मेलन आज लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह करेंगे संबोधित

जबलपुर। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की जन्मजयंती के उपलक्ष्य में 23 जून से 6 जुलाई तक आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में भारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर द्वारा कल 5 जुलाई रविवार को सुबह 11 बजे से भाजपा संभागीय कार्यालय रानीताल में जिला कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया है। भाजपा जिला अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर ने बताया कि जबलपुर महानगर द्वारा आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन को मध्य प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह संबोधित करेंगे। कार्यकर्ता सम्मेलन में सांसद श्री आशीष दुबे, राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा बाल्मीकि, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री अखिलेश जैन, विधायक अशोक रोहाणी, अभिलाष पांडे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, जबलपुर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज बिज, महामंत्री पंकज दुबे, रंजीत पटेल, सोनू बचवानी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

वीयू- विश्व जूनोसिस दिवस पर 6 जुलाई को नि:शुल्क पशु स्वास्थ्य शिविर, रेबीज टीकाकरण सहित कई सेवाएं मिलेंगी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। विश्व जूनोसिस दिवस के अवसर पर नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर द्वारा सोमवार, 6 जुलाई को पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर, साउथ सिविल लाइंस, जबलपुर में एक दिवसीय नि:शुल्क पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. मनदीप शर्मा के मार्गदर्शन तथा पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर के अधिष्ठाता डॉ. राखी वैश के निर्देशन में किया जा रहा है।

विश्व जूनोसिस दिवस का उद्देश्य ऐसे जूनोटिक रोगों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना है, जो पशुओं से मनुष्यों तथा मनुष्यों से पशुओं में प्रसारित हो सकते हैं। इन रोगों में रेबीज सबसे घातक बीमारियों में से एक है। भारत में प्रतिवर्ष लगभग 20 हजार लोगों की मृत्यु रेबीज के कारण होती है, जो विश्व में रेबीज से होने वाली कुल मौतों का लगभग एक-तिहाई है। ऐसे में समय पर टीकाकरण और जागरूकता इस बीमारी की रोकथाम के लिए अत्यंत आवश्यक है।

उल्लेखनीय है कि 6 जुलाई, 1885 को फ्रांसीसी वैज्ञानिक लुई पास्चर ने पहली बार किसी मनुष्य को सफलतापूर्वक रेबीज का टीका लगाया था। इसी ऐतिहासिक उपलब्धि की स्मृति में प्रतिवर्ष 6 जुलाई को विश्व जूनोसिस दिवस मनाया जाता है। शिविर का आयोजन प्रात: 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक किया जाएगा। इस दौरान पशुपालकों एवं श्वान पालकों को नि:शुल्क रेबीज टीकाकरण, गर्भ परीक्षण, नेत्र परीक्षण तथा एलर्जी परीक्षण जैसी महत्वपूर्ण पशु स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा पशुओं के स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श भी प्रदान किया जाएगा। शिविर के संयोजक डॉ. अपरा शाही एवं डॉ. रणवीर सिंह जाटव तथा सह-संयोजक डॉ. बृजेश सिंह हैं।

अधिष्ठाता डॉ. राखी वैश ने सभी पशुपालकों एवं श्वान पालकों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में भाग लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि समय पर रेबीज टीकाकरण और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण न केवल पशुओं को गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखते हैं, बल्कि जूनोटिक रोगों की रोकथाम के माध्यम से मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से इस नि:शुल्क शिविर का लाभ उठाने और पशु एवं मानव स्वास्थ्य सुरक्षा के इस अभियान में सहभागी बनने का आग्रह किया।

हिंदू धर्म में मां गायत्री को वेदों की जननी, ज्ञान और पवित्रता की देवी माना जाता है। मां गायत्री को वेदों की माता, देवमाता और विश्वमाता के रूप में भी जाना जाता है। मां गायत्री को पांच मुख वाली देवी के रूप में दर्शाया गया है। उनके यह पांच मुख पंचतत्वों का प्रतीक है। मां गायत्री की पूजा करने से व्यक्ति को समृद्धि, ज्ञान और मोक्ष की प्राप्ति होती है। बता दें कि यदि कोई जातक की कोई मनोकामना है, तो उसको पूरा करने के लिए रोजाना गायत्री चालीसा का पाठ करना चाहिए।

छवि से बंध जाना सही सोच नहीं

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स का अपना महत्त्व है। इसलिए उन पर गौर किया जाना चाहिए। लेकिन कृत्रिम ढंग से उनमें दर्जा बढ़ाने की कोशिशें हानिकारक हैं। फिर रैंकिंग्स में उभरने वाली छवि से बंध जाना सही सोच नहीं है। यह अच्छी खबर है कि क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में भारतीय विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़ी है। 500 विश्वविद्यालयों की इस ताजा सूची में भारत की 54 यूनिवर्सिटीज शामिल हुई हैं। इसमें भारत की नुमाइंदगी अब आईआईटी या आईआईएस जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों तक सीमित नहीं रह गई है। बल्कि कई प्राइवेट यूनिवर्सिटीज, राज्यों के विश्वविद्यालय और केंद्रीय संस्थानों ने भी इसमें जगह बनाई है। हालांकि यह अप्रिय तथ्य अब भी कायम है कि टॉप 100 यूनिवर्सिटीज में एक भी भारतीय विश्वविद्यालय नहीं है। टॉप 200 में भारत के सिर्फ तीन विश्वविद्यालय ही आए हैं। सबसे ऊपर 118वें स्थान पर आईआईटी दिल्ली आई है। बहरहाल, शिक्षा संस्थानों के स्तर को जानने के लिए रैंकिंग्स भले एक प्रचलित माध्यम हों, लेकिन इनके आधार पर किसी देश में शिक्षा की वास्तविक स्थिति का अंदाजा लगाना सही नजरिया नहीं होगा। मसलन, क्यूएस रैंकिंग की यह एक बड़ी आलोचना है कि इसमें विश्वविद्यालय की अकादमिक प्रतिष्ठा को अत्यधिक महत्त्व दिया जाता है। इसका भार 40 प्रतिशत तक है। प्रतिष्ठा मनोगत पैमाना है, जो सर्वेक्षण में शामिल व्यक्तियों की जानकारी एवं पूर्व-धारणाओं से तय होती है। एक अन्य पैमाना विश्वविद्यालय में विदेशी छात्रों की उपस्थिति है। भारतीय विश्वविद्यालय इस पैमाने पर पिछड़ जाते हैं। इसलिए क्यूएस या ऐसी अन्य रैंकिंग्स में भारत की स्थिति अपने-आप में समस्या नहीं है। समस्या यूनिवर्सिटी शिक्षा तक सीमित वर्गों की पहुंच, वास्तविक अनुसंधान पर कम ध्यान, और जाने वाली शिक्षा का रोजगार बाजार से कमजोर संबंध हैं।

नजर आ रहे खतरे से बचाव नहीं, भूकंप से कैसे बचाएंगी सरकारें

वेनेजुएला में एक मिनट के अंदर दो बड़े विनाशकारी भूकंप में करीब दो हजार लोगों की मौत हो गई। इस प्राकृतिक आपदा में करीब 10 हजार लोग घायल हो गए। बगैर किसी चेतावनी के आने वाली भूकंप जैसी आपदाएं सरकारों को चेताती हैं कि पहले से बचाव के उपाए किए जाएं, ताकि कम से कम जानमाल का नुकसान हो सकें। भूकंप का खतरा भारत मे भी है। देश के कई हिस्सों में कई बार शक्तिशाली भूकंपों ने भारी तबाही मचाई है। सवाल यह है कि पूर्व में आए इन भूकंपों से देश की सरकारों ने कोई सबक सीखा है। क्या देश में ऐसे इंतजाम किए गए हैं कि भूकंप आने पर कम से कम जानमाल का नुकसान हो। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी

दरअसल भारत के राजनीतिक दलों और सरकारों से किसी भी प्राकृतिक आपदा से पहले और बाद में बचाव की ज्यादा उम्मीदें नहीं की जा सकती हैं। कारण साफ है केंद्र और राज्यों की सरकारों को सामने स्पष्ट नजर आते हुए खतरों से लोगों को बचाने का कोई इंतजाम नहीं हो, वे भूकंप जैसे छिपे हुए खतरों से कैसे बचाएंगे। दिल्ली के बाद लखनउ में आग से 15 लोगों की मौत हो गई। ऐसी लाखों इमारतें अकेले उत्तर प्रदेश में हैं, जिनमें आग से बचाने के कोई उपाय नहीं किए गए हैं। जब दिल्ली में आग लगी तभी राज्यों की सरकारों को सतर्क हो जाना चाहिए था। लेकिन सरकारों ने लोगों की जान की परवाह नहीं की। अगले ही दिन बिहार के मुजफ्फरपुर में आग ने पांच-छह मरीजों को लील लिया। इसके बाद उत्तर प्रदेश के नोएडा और फिर मध्य प्रदेश के इंदौर में आग ने फ्लैट और शोरूम खाक कर दिए। तीन दिन में आग की चार भयानक घटनाओं ने लोगों को डरा दिया है और करीब 26 लोगों की जलकर या काले धुएं की चपेट में आकर मौत हो गई है। राष्ट्रीय और राज्य स्तर के अनुमानों के अनुसार, वाणिज्यिक और आवासीय क्षेत्रों के 60 प्रतिशत से अधिक छोटे और मध्यम भवन बिना वैध फायर एनओसी के चल रहे हैं। देश भर में दमकल केंद्रों में 97.5 प्रतिशत, दमकल कर्मियों में 96.2 प्रतिशत और अग्निशमन उपकरणों में लगभग 80 प्रतिशत तक की कमी है। देश के लगभग हर बड़े शहर में सुरक्षा नियमों को दरकिनार किया जा रहा है। यह खतरा ऐसा है, जो साफ दिखाई देता है। इससे बचाव के शत—प्रतिशत इंतजाम भी किए जा सकते हैं। इसके बावजूद राज्यों और केंद्र ने पूर्व में हुए ऐसे हादसों से सबक नहीं सीखा।

ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है, सामने स्पष्ट तौर पर दिखाई दे रहे खतरे से निपटने में सरकारें नाकाम हैं तो भूंकप जैसी अचानक आने वाली आपदा और उसके भयावह रूप से सरकारें कैसे निपटेंगी। जबकि भूगर्भ वैज्ञानिक साफ चेता चुके हैं कि देश के कितने हिस्सों में कभी भी भीषण भूकंप आ सकता है। पिछले दो दशकों में देश में 10 बड़े भूकंप आए हैं, जिनमें 20,000 से अधिक लोगों की जान गई है। नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट ऑथोरिटी के मुताबिक भारत में करीब 20 करोड़ इमारतें भूकंपीय क्षेत्र 4 और 5 में आती हैं। इनमें से कई इमारतें 30-40 साल पहले बनी थीं और इनमें से कई इमारतें नेशनल बिल्डिंग कोड्स का पालन नहीं करती हैं। भौगोलिकसंदर्भ

भूकंप संभावित क्षेत्रों में ज़ोन-1 में भूकंप आने की आशंका सबसे कम रहती है, वहीं ज़ोन-5 में ज़्यादा प्रबल रहती है। दिल्ली-एनसीआर का इलाक़ा सीस्मिक ज़ोन-4 में आता है और यही वजह है कि उत्तर भारत के इस क्षेत्र में सीस्मिक गतिविधियाँ तेज़ रहती हैं। भूगर्भ विशेषज्ञों ने भारत के क़रीब 59त्न भू-भाग को भूकंप संभावित क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत किया है। जानकार सीस्मिक ज़ोन-4 में आने वाले भारत के सभी बड़े शहरों की तुलना में दिल्ली में भूकंप की आशंका ज़्यादा बताते हैं। ग़ौरतलब है कि मुंबई, कोलकाता, चेन्नई और बेंगलुरु जैसे शहर सीस्मिक ज़ोन-3 की श्रेणी में आते हैं। जबकि भूगर्भशास्त्री कहते हैं कि दिल्ली की दुविधा यह भी है कि वह हिमालय के निकट है, जो भारत और यूरेशिया जैसी टेक्टॉनिक प्लेटों के मिलने से बना था और इसे धरती के भीतर की प्लेटों में होने वाली हलचल का ख़मियाज़ा भुगतना पड़ सकता है। नेशनल सेंटर फोर सिसमोलॉजी के मुताबिक भारत के 29 शहरों पर भूकंप का गंभीर ख़तरा है। इन शहरों में दिल्ली समेत नौ राज्यों की राजधानियां भी हैं। ये ज़्यादातर शहर हिमालय ज़ोन से लगे हैं। हिमालय से लगे शहर दुनियां के उन शहरों में शुमार हैं, जहां भूकंप का सबसे ज़्यादा ख़तरा रहता है। दिल्ली, पटना, श्रीनगर, कोहिमा, पुडुच्चेरी, गुवाहाटी, गंगटोक, शिमला, देहरादून, इम्फाल और चंडीगढ़ भूकंपीय क्षेत्र के ज़ोन चार और पांच में हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ साइंस (आईआईएससी) के मुताबिक ये वो शहर हैं जहां आबादी का घनत्व बहुत सघन है और ये गंगा के मैदानी भाग हैं। इसके साथ ही वैज्ञानिकों ने यह भी कहा है कि सिस्मिक जोन-4 में आने वाली राजधानी दिल्ली भूकंप के बड़े झटके से खासा प्रभावित हो सकती है। अगर यहां 7 की तीव्रता वाला भूकंप आया तो दिल्ली की कई सारी इमारतें और घर रेत की तरह भरभराकर गिर जाएंगे। ऐसा इसलिए है, क्योंकि दिल्ली की इमारतों में इस्तेमाल होने वाली निर्माण सामग्री ऐसी है, जो भूकंप के झटकों का सामना करने में पूरी तरह से सक्षम नहीं है। दिल्ली में मकान बनाने की निर्माण सामग्री ही आफत की सबसे बड़ी वजह है। दिल्ली में 1760 से अधिक अनधिकृत कॉलोनियां हैं।

नैनो उर्वरक-छत्तीसगढ़ के खेती-किसानी में आई नई क्रांति

तेजबहादुर सिंह भुवाल

छत्तीसगढ़ को देश का धान का कटोरा कहा जाता है। यहां की अधिकांश आबादी कृषि पर निर्भर है और किसानों की समृद्धि राज्य के विकास से सीधे जुड़ी हुई है। बदलते समय के साथ खेती में नई तकनीकों का उपयोग बढ़ रहा है, जिनमें नैनो उर्वरक किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण नवाचार के रूप में उभरा है। कम लागत, अधिक प्रभाव और पर्यावरण संरक्षण जैसे गुणों के कारण नैनो उर्वरक आज किसानों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा हैं।

नैनो उर्वरक अत्यंत सूक्ष्म कणों से निर्मित होते हैं, जिन्हें पौधे तेजी से और अधिक मात्रा में अवशोषित कर लेते हैं। इसके कारण पौधों को आवश्यक पोषक तत्व सही समय पर उपलब्ध हो जाते हैं और फसलों का विकास बेहतर तरीके से होता है। पारंपरिक उर्वरकों की तुलना में इनकी मात्रा कम लगती है, जिससे किसानों का खर्च घटता है और उत्पादन में वृद्धि होती है।

छत्तीसगढ़ में धान, मक्का, चना, अरहर तथा सब्जी फसलों में नैनो यूरिया और नैनो डीएपी का उपयोग किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहा है। प्रदेश में कई किसानों ने अनुभव किया है कि नैनो उर्वरकों के प्रयोग से फसल की पैदावार बेहतर होती है, पौधे अधिक हरे-भरे रहते हैं और उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार होता है।

नैनो उर्वरकों का एक बड़ा लाभ यह भी है कि इनके उपयोग से मिट्टी की उर्वरा शक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव कम पड़ता है। रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से जहां भूमि की गुणवत्ता प्रभावित होती है, वहीं नैनो उर्वरक संतुलित पोषण प्रदान कर मिट्टी के स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायता करते हैं। साथ ही जल स्रोतों में रासायनिक तत्वों के बहाव को भी कम करते हैं, जिससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है।

परिवहन और भंडारण की दृष्टि से भी नैनो उर्वरक काफी सुविधाजनक हैं। पारंपरिक उर्वरकों की भारी बोरियों की जगह छोटी बोतलों में उपलब्ध नैनो उर्वरक किसानों के लिए आसानी से ले जाने और उपयोग करने योग्य होते हैं।

पर्यावरण नहीं, अस्तित्व का प्रश्न है वनों का संरक्षण

वास्तव में यदि वर्तमान समय की आवश्यकताओं को देखा जाए तो वन महोत्सव से बड़ा कोई उत्सव नहीं हो सकता क्योंकि इसका संबंध केवल पर्यावरण से नहीं बल्कि मानव सभ्यता के भविष्य से है। भारतीय परंपरा में वनों को देवतुल्य माना गया है।

भारतीय संस्कृति में प्रकृति को सदैव पूजनीय माना गया है। हमारे पर्व और उत्सव केवल सामाजिक उल्लास के अवसर नहीं रहे बल्कि प्रकृति और मानव के सह-अस्तित्व के प्रतीक भी रहे हैं। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता के क्षरण, प्रदूषण और जल संकट जैसी अभूतपूर्व चुनौतियों से जूझ रही है, तब भारत में 1 से 7 जुलाई तक मनाया जाने वाला 'वन महोत्सव' केवल वृक्षारोपण का अभियान नहीं है बल्कि पृथ्वी पर जीवन बचाने का राष्ट्रीय संकल्प बन चुका है। वास्तव में यदि वर्तमान समय की आवश्यकताओं को देखा जाए तो वन महोत्सव से बड़ा कोई उत्सव नहीं हो सकता क्योंकि इसका संबंध केवल पर्यावरण से नहीं बल्कि मानव सभ्यता के भविष्य से है। भारतीय परंपरा में वनों को देवतुल्य माना गया है। वे केवल पेड़ों का समूह नहीं बल्कि पृथ्वी के फेफड़े, जैव विविधता के सबसे बड़े आश्रय, नदियों के संरक्षक, जलवायु संतुलन के प्रहरी तथा करोड़ों लोगों की आजीविका के आधार हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति से ठीक पहले जुलाई 1947 में दिल्ली में चलाए गए व्यापक वृक्षारोपण अभियान ने वन महोत्सव की अवधारणा को जन्म दिया था, जिसे वर्ष 1950 में तत्कालीन केंद्रीय कृषि एवं खाद्य मंत्री कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी ने राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया। जुलाई के प्रथम सप्ताह का चयन इसलिए किया गया क्योंकि दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान मिट्टी में पर्याप्त नमी होने से पौधों के जीवित रहने की संभावना सर्वाधिक रहती है। आज यह अभियान भारत के 'वसुधैव कुटुम्बकम' के दर्शन का जीवंत प्रतीक बन चुका है। भौगोलिकसंदर्भ

वनों की स्थिति विश्व स्तर पर चिंताजनक बनी हुई है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, पृथ्वी का केवल लगभग 31 प्रतिशत भूभाग ही वनाच्छादित है जबकि प्रतिवर्ष लाखों हेक्टेयर वन क्षेत्र अवैध कटाई, औद्योगिकीकरण, खनन और अवसंरचनात्मक विकास की भेंट चढ़ रहा है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि यदि यही प्रवृत्ति जारी रही तो आगामी दशकों में विश्व के अनेक वर्षावन गंभीर संकट में पड़ सकते हैं। ऐसे समय में भारत जैसे विशाल और जैव विविधता से समृद्ध देश की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। भारत ने हाल के वर्षों में वन संरक्षण और वृक्षारोपण की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किए हैं। भारतीय वन सर्वेक्षण की भारत वन स्थिति रिपोर्ट (आईएसएफआर) के अनुसार, देश का कुल वन एवं वृक्ष आवरण बढ़कर 8,27,357 वर्ग किलोमीटर हो गया है, जो देश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 25.17 प्रतिशत है। इसमें 7,15,343 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र तथा 1,12,014 वर्ग किलोमीटर वृक्ष आवरण शामिल है। पिछले आकलन की तुलना में कुल हरित आवरण में 1,445 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि दर्ज हुई। क्षेत्रफल के आधार पर मध्य प्रदेश सबसे अधिक वन क्षेत्र वाला राज्य है जबकि अरुणाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ उसके बाद आते हैं। वहीं वन घनत्व के अनुपात में मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश और मेघालय अग्रणी हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ग्लोबल फॉरेस्ट रिसोर्सेज असेसमेंट रिपोर्ट में भारत को कुल वन क्षेत्र के आधार पर विश्व में नौवां स्थान तथा वार्षिक वन क्षेत्र वृद्धि के मामले में अग्रणी देशों में स्थान प्राप्त हुआ है। एक्जक्यूटिवब्रांच

आषाढ़ माह के गुप्त नवरात्र 15 जुलाई से होंगे शुरू, सवार्थ सिद्धि, अमृत सिद्धि और पुष्य नक्षत्र का भी बनेगा संयोग

आषाढ़ महीने के गुप्त नवरात्र की शुरुआत 15 जुलाई से होगी और यह 22 जुलाई तक 8 दिन चलेगा। इस गुप्त नवरात्र में एक दिन चतुर्थी तिथि का क्षय हो रहा है। वहीं नवरात्र के दौरान कई विशेष योग भी बन रहे हैं।

इनमें अमृत सिद्धि योग, सवार्थ सिद्धि योग, चंद्रमा का स्थिर राशि में होना और पुष्य नक्षत्र का संयोग बनेगा। तंत्र साधकों के लिए गुप्त नवरात्र सर्वश्रेष्ठ माना गया है। ऐसे में इन योगों के बनने से उनकी साधना और सार्थक होगी।

22 जुलाई को भड़ली नवमी

गुप्त नवरात्र के अंतिम दिन 22 जुलाई को भड़ली नवमी है। इस दिन मांगलिक कार्यों के लिए मुहूर्त या पंचांग देखने की जरूरत नहीं होती, इस दिन को अबूझ मुहूर्त माना जाता है।

इंदौर के देवी मंदिरों में होंगे विशेष आयोजन

गुप्त नवरात्र के दौरान इंदौर के बिजासन माता मंदिर, अन्नपूर्णा माता मंदिर और हरसिद्धि माता मंदिर सहित सभी देवी मंदिरों में विशेष आयोजन होंगे। सभी मंदिरों में महाआरती का आयोजन होगा। इस दौरान दुर्गा सप्तशती का पाठ भी मंदिरों में किया जाएगा। माता को रोज विशेष श्रृंगार होगा।

मान सरकार के लिए बूमरैंग साबित होता बेअदबी कानून

बूमरैंग आस्ट्रेलिया के मूलनिवासियों द्वारा प्रयोग किया जाने वाला वो हथियार है जो लक्ष्य भेदने में असफल होने पर मारने वाले पर ही पलटवार करता है। पंजाब में आम आदमी पार्टी के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के लिए श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी को लेकर लाया गया 'जगत ज्योति श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम' अब यही राजनीतिक बूमरैंग साबित होता दिख रहा है। अकाली दल को घेरने व सिख मतदाताओं को रिझाने के लिए लाए गए इस अधिनियम में खुद सरकार फसी हुई दिख रही है।

बेअदबी मामलों की पृष्ठभूमि

पंजाब में साल 2015 के बाद अचानक गुरुद्वारों में व अन्य स्थानों पर श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबियों की घटनाओं की अंधेरी सी आ गई। इसको लेकर कई हिंसक आंदोलन व धरना प्रदर्शन भी हुए, जिसमें दो प्रदर्शनकारियों की मौत भी हुई। राज्य में उस समय अकाली दल बादल की सरकार थी जिसके मुख्यमंत्री स. प्रकाश सिंह बादल थे। लोगों का सरकार के प्रति गुस्सा पनपा जो 2017 बादल सरकार की विदाई का एक कारण बना। उसके बाद कांग्रेस सरकार बेअदबी को लेकर आई और अब चुनावों को नजदीक आते देख आम आदमी पार्टी की सरकार ने इस पर दांव खेला। आप का यह पासा उलटा पड़ता दिखाई दे रहा है।

अकाल तख्त के सामने सरकार घुटनों के बल

पंजाब की राजनीति में उस समय नया मोड़ आया जब अकाल तख्त के जत्थेदार कुलदीप सिंह गडग़ज ने निर्वाचित विधानसभा को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया और सदस्यों से यह स्पष्टीकरण मांगा कि उन्होंने बिना सलाह के एक पंथ से जुड़ा कानून क्यों पारित किया। संवैधानिक रूप से सदन के अंदर विधायकों द्वारा कही या की गई किसी भी बात को कहीं भी चुनौती नहीं दी जा सकती। वे केवल अध्यक्ष, न्यायालयों और जनता के प्रति ही जवाबदेह होते हैं, लेकिन जत्थेदार गडग़ज ने जनता के इन प्रतिनिधियों के साथ स्कूली बच्चों जैसा व्यवहार किया। सही उत्तर न देने पर उन्हें डांटा और एक महीने के भीतर अपना होमवर्क पूरा करने का आदेश देकर वापस भेज दिया। इस पेशी के दौरान सामने आया कि कुछ विधायकों ने तो इस कानून का प्रारूप तक नहीं पढ़ा था और बिना पढ़े इन पर हस्ताक्षर कर दिए। जब अकाल तख्त के जत्थेदार ने 'जगत ज्योति श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम' की कुछ धाराओं व तकनीकी शब्दों के बारे में पूछा, तो कई विधायकों ने इस संबंध में अनभिज्ञता व्यक्त की।

अकालियों के जाल में फंसे मान

भगवंत सिंह मान इतने लंबे समय से राजनीति में सक्रिय हैं, इसके बावजूद, वे अकाली दल के बुने जाल में आसानी से फंस गए। आम आदमी पार्टी अब ऐसे मोड़ पर है जहां अकाल तख्त के जत्थेदार द्वारा सुझाए गए संशोधनों को लागू करने पर भी उसे परेशानी होगी और लागू न करने पर भी वह मुश्किल में पड़ जाएगी।

क्यों कहलाती हैं मां लक्ष्मी चंचला

हिंदू धर्म में मां लक्ष्मी को धन, वैभव और समृद्धि की देवी माना जाता है। हर व्यक्ति यह चाहता है कि उनके घर-परिवार पर मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि मां लक्ष्मी को %चंचला% क्यों कहा जाता है। धार्मिक ग्रंथों में मान्यताओं में मां लक्ष्मी को चंचला कहने के पीछे एक विशेष कारण बताया गया है। मान्यता के मुताबिक जिस घर में परिश्रम, स्वच्छता, दान-पुण्य और धर्म का पालन होता है, वहां पर मां लक्ष्मी का वास होता है। वहीं जिस घर में अहंकार, आलस, कलह और अनैतिक कार्य बढ़ जाते हैं, वहां पर मां लक्ष्मी वास नहीं करती हैं। इसी वजह से मां लक्ष्मी को चंचला कहा जाता है।

संस्कृत भाषा में चंचला का अर्थ होता है, जो एक स्थान पर स्थिर न रहे, जैसे कि हमारा मन। आपने अक्सर लोगों से यह सुना होगा कि मन बहुत चंचल होता है। हमारा मन गतिशील रहता है। मां लक्ष्मी को चंचला नाम देने के पीछे की वजह यह है कि धन और संपत्ति कभी भी स्थायी नहीं होती है। जीवन में धन का आना-जाना एक स्वाभाविक प्रक्रिया होती है। आज जो व्यक्ति धनवान है, वह भविष्य में आर्थिक समस्याओं में घिर सकता है। वहीं कठिन परिस्थितियों में रहने वाला समय में धनी और समृद्ध बन सकता है।

क्षणिक वैराग्य का भ्रम और आदमी का मसानिया सच

मनुष्य जितना आधुनिक होता जा रहा है, उतना ही भीतर से विरोधाभासों का शिकार भी होता जा रहा है। ज्ञान, नैतिकता, संस्कार और वैराग्य पर लंबे लंबे भाषण देना आज आसान हो गया है, लेकिन उन्हें अपने जीवन में उतारना पहले से कहीं अधिक कठिन प्रतीत होता है। यही कारण है कि आज समाज में ऐसे लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है जो दूसरों को जीवन जीने की सीख तो बड़े आत्मविश्वास से देते हैं, लेकिन स्वयं उसी कसौटी पर खरे नहीं उतर पाते। हर व्यक्ति स्वयं को ज्ञानी और विवेकशील मानता है, लेकिन अपने से अधिक बुद्धिमान किसी दूसरे को सहज रूप से स्वीकार नहीं कर पाता। विडंबना यह है कि व्यक्ति स्वयं चाहे झूठ बोले या झूठ के सहारे जीवन बिताए, लेकिन दूसरों से हमेशा सत्य की अपेक्षा रखता है। शायद इसी सत्य को हमारे पूर्वजों ने वर्षों पहले एक पंक्ति में समेट दिया था 卐पर उपदेश कुशल बहुतेरे।

आज का मनुष्य स्वयं को सबसे अधिक समझदार और अनुभवी मानता है। उसे अपने दोष दिखाई नहीं देते, लेकिन दूसरों की छोटी सी भूल भी बड़ी नजर आती है। स्वयं झूठ और स्वार्थ से समझौता कर लेने वाला व्यक्ति भी दूसरों से ईमानदारी और आदर्शवाद की अपेक्षा करता है। यही हमारे समय का सबसे बड़ा विरोधाभास है। वर्तमान समाज में ज्ञान का प्रदर्शन बढ़ा है, लेकिन आत्ममंथन कम हुआ है। सोशल मीडिया से लेकर सामाजिक बैठकों तक हर कोई जीवन दर्शन, अध्यात्म और मानवीय मूल्यों पर उपदेश देता दिखाई देता है। आज के व्यक्ति की एक और विशेषता यह है कि उसे अपने घर परिवार से अधिक संसार भर का ज्ञान रहता है और वह अपने इस तथाकथित ज्ञान का प्रदर्शन भी पूरे आत्मविश्वास के साथ करता रहता है। वह वैराग्य, अध्यात्म और जीवन दर्शन पर ऐसी ऐसी बातें करता है कि क्षणभर के लिए लगता है मानो कोई महापुरुष हमारे सामने बैठा हो। किंतु परिस्थितियां बदलते ही वही व्यक्ति अपने सारे आदर्श भूल जाता है। उसका वैराग्य स्थायी नहीं, बल्कि परिस्थितिजन्य होता है।

यदि सच कहा जाए तो आज अधिकांश व्यक्ति %मसानिया वैराग्य% का शिकार है। किसी व्यक्ति की मृत्यु के अवसर पर एकत्रित लोगों की बातें ध्यान से सुनिए। उस समय वैराग्य और जीवन दर्शन की गंगा बहती हुई प्रतीत होती है। लोग कहते हैं जीवन का कोई भरोसा नहीं है, इसलिए सभी से प्रेमपूर्वक मिल-जुलकर रहना चाहिए। धन के पीछे अंधी दौड़ नहीं लगानी चाहिए और पैसे के कारण रिश्ते नहीं तोड़ने चाहिए। पैसा जीवन में सब कुछ नहीं होता, प्रेम, अपनापन और व्यवहार ही जीवन की वास्तविक पूंजी हैं। उस समय ऐसा प्रतीत होता है कि अब सभी लोग अपने जीवन की दिशा बदल देंगे। लेकिन यही वैराग्य अधिक देर तक टिक नहीं पाता। मृतक की चिता की अग्नि शांत होने से पहले ही लोगों की प्राथमिकताएं बदलने लगती हैं। कपाल क्रिया पूरी होने से पहले ही मोबाइल फोन बजने लगते हैं, व्यापार की बातें शुरू हो जाती हैं, राजनीति पर चर्चा होने लगती है और जीवन फिर उसी गति से स्वार्थ, प्रतिस्पर्धा और मोह माया की ओर लौट पड़ता है। यही वह क्षण है, जहां तथाकथित वैराग्य का वास्तविक चेहरा सामने आ जाता है।

आज रिश्तों की सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि संवेदनाएं भी औपचारिकता बनती जा रही हैं। जीवित व्यक्ति के लिए समय निकालना कठिन लगता है, लेकिन उसके निधन पर सामाजिक उपस्थिति दर्ज कराना आवश्यक समझा जाता है। कई लोग अंतिम यात्रा में भी इसलिए शामिल होते हैं कि समाज उन्हें संवेदनशील समझे।

दुख की अभिव्यक्ति भी अब कई बार हृदय से अधिक सामाजिक दायित्व का निर्वहन बनकर रह गई है। यदि मृत आत्मा सब कुछ देख रही हो, तो शायद वह भी यही पूछे जिन लोगों का प्रेम आज उमड़ रहा है, वे मेरे जीवित रहते कहां थे? वास्तव में समस्या मृत्यु नहीं, बल्कि हमारी स्मृति की अल्पायु है। श्मशान हमें जीवन का सबसे बड़ा सत्य दिखाता है, लेकिन हम उस सत्य को घर लौटते-लौटते भूल जाते हैं। इसलिए हमारा वैराग्य शाश्वत नहीं, केवल 卐मसानिया वैराग्य卐 बनकर रह जाता है ऐसा वैराग्य जो चिता की लपटों के साथ जन्म लेता है और राख ठंडी होते ही समाप्त हो जाता है। जीवन का वास्तविक वैराग्य श्मशान में नहीं, बल्कि व्यवहार में दिखाई देना चाहिए। यदि हम सचमुच यह मानते हैं कि जीवन अनिश्चित है, तो हमें अपने रिश्तों में प्रेम बढ़ाना होगा, अहंकार कम करना होगा, क्षमा करना सीखना होगा और धन को साधन मानना होगा, साध्य नहीं। मृत्यु का सबसे बड़ा संदेश यही है कि अंततः मनुष्य अपने साथ न धन ले जाता है, न पद और न प्रतिष्ठा; वह पीछे छोड़ जाता है तो केवल अपने व्यवहार की स्मृतियां। यदि श्मशान से लौटते समय हम अपने भीतर थोड़ा-सा भी स्थायी परिवर्तन लेकर लौटें, तभी उस वैराग्य का अर्थ है। अन्यथा चिता की अग्नि की तरह हमारा वैराग्य भी कुछ देर धधक कर राख हो जाएगा और हम फिर उसी मोह, माया और दिखावे की दुनिया में खो जाएंगे। यही आधुनिक मनुष्य का सबसे बड़ा दुर्भाग्य और समाज की सबसे गंभीर विडंबना है।

अरविंद रावल

गोपाल कॉलोनी, झाबुआ म.प्र.

मो. 9340579251

-:: आज का राशिफल ::-

मेष राशि: मेष राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा का बेहतर परिणाम मिलेगा। आज व्यवसाय संबंधी नई जानकारियां हासिल करना जरूरी है। मीडिया और ऑनलाइन कामों से जुड़े बिजनेस में फायदा होगा।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए पाजिटिव रहेगा। ऑफिस में कलीग्स के साथ आपका तालमेल अच्छा रहेगा। सॉफ्टवेयर इंजीनियर अपने किसी ड्रीम प्रोजेक्ट के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। साथ ही आज उन्हें किसी बड़ी कंपनी से जॉब का ऑफर आ सकता है।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए नए अवसर लेकर आने वाला है। आज आप अपनी गतिविधियों को गोपनीय रखें साथ ही आसपास की गतिविधियों को नजर अंदाज ना करें।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए सार्थक रहेगा। आज रियल स्टेट से जुड़े लोगों की डील फायदेमंद हो सकती हैं। आज आप चुनौतियों को स्वीकार करते हुए कुछ क्रिएटिव करेंगे।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज आपको घर के वरिष्ठ सदस्यों से प्रेरणा मिलेगी। आज पारिवारिक निर्णय लेने के लिए समय अनुकूल है आज जो भी काम आप शुरू करेंगे

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपका दिन खुशनुमा रहने वाला है। आज आपके ऊपर जिम्मेदारियां अधिक रहेंगी, जिन्हें आप काफी हद तक पूरा भी कर लेंगे। आज कुछ नए लोगों से जुड़ने पर आपको कई बेहतरीन जानकारियां मिलेंगी,

तुला राशि: तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियों की नई सौगात लेकर आएगा। आज कारोबारियों को अपना कारोबार आगे बढ़ाने के लिए नए अवसर मिलेंगे।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके जीवन में नए अवसर लेकर आने वाला है। आपकी हर समस्या का हल चुटकियों में निकल जायेगा। राजकीय कार्यों में आपको बड़े लाभ मिलने के आसार है आज अपने काम की क्वालिटी को और बेहतर बनाने पर ध्यान देंगे।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज आपका मन प्रसन्न रहेगा आज आपको शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। आज लेखन व सामाजिक आदि कार्यों से आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए आज का दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। आज कारोबारी गतिविधियों में व्यवस्था बनाकर रखना जरूरी है।

कुंभ राशि: कुंभ राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस-पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। आज कार्य स्थल पर चल रही किसी भी गतिविधि को नजर अंदाज ना करें।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज के दिन आप काफी व्यस्त रहने वाले है। रुका हुआ सरकारी काम आज पूरा हो जाएगा। आध्यात्मिक गतिविधियों के प्रति

अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले चंदे में कथित हेराफेरी को लेकर चल रहे विवाद के बीच, जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत से इस आरोप के बारे में पूछा गया कि कुछ लोग भगवान राम में लोगों की आस्था को कमज़ोर करने की कोशिश कर रहे हैं, तो उन्होंने शनिवार को इस पर संक्षिप्त लेकिन तीखी प्रतिक्रिया दी। जब नागपुर में पत्रकारों ने भागवत से उन दावों पर प्रतिक्रिया मांगी कि भगवान राम में भक्तों की आस्था को कम करने की कोशिशें की जा रही

पीएम मोदी के दौरे से पहले न्यूजीलैंड का बड़ा संकेत, भारत की आर्थिक ताकत पर जताया भरोसा

दिल्ली ,(आरएनएस)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच बढ़ते रणनीतिक और आर्थिक सहयोग को एक नया आयाम देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह न्यूजीलैंड की अपनी पहली ऐतिहासिक आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। इस बेहद महत्वपूर्ण दौरे को लेकर न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने अपनी गहरी खुशी और उत्साह जाहिर किया है। पीएम लक्सन ने स्पष्ट किया कि वैश्विक पटल पर भारत की भूमिका अद्वितीय है और न्यूजीलैंड की भविष्य की आर्थिक समृद्धि के लिए भारत सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार देशों में से एक बन चुका है।

दोनों देशों के बीच हाल ही में हुए ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (स्नङ्ग) के ठीक दो महीने बाद हो रही यह यात्रा दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को एक नए युग में ले जाने का काम करेगी।

पीएम क्रिस्टोफर लक्सन ने एक्स पर जाहिर की खुशी

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) पर एक पोस्ट के जरिए इस दौरे की आधिकारिक जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा, मुझे यह घोषणा करते हुए बेहद गर्व और खुशी हो रही है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले हफ्ते न्यूजीलैंड की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर आ रहे हैं। भारत वर्तमान में दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढ़ती हुई प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। न्यूजीलैंड की आर्थिक स्थिरता और समृद्धि के लिए भारत के साथ हमारे संबंध बेहद अहम हैं।

प्रधानमंत्री लक्सन ने भारत के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते (स्नङ्ग) की सराहना करते हुए कहा कि अप्रैल में दोनों देशों के बीच हुए इस समझौते के जरिए हम अपने द्विपक्षीय रिश्तों को एक ऐतिहासिक स्तर पर ले जा रहे हैं।

रोजगार और निर्यात में वृद्धि- इस समझौते से न्यूजीलैंड के भीतर रोजगार के हजारों नए अवसर पैदा होंगे, हमारा अंतरराष्ट्रीय निर्यात बढ़ेगा और देश का आर्थिक ढांचा मजबूत होगा।

1.4 अरब का विशाल भारतीय बाजार- यह समझौता न्यूजीलैंड की वस्तुओं और सेवाओं के लिए 1.4 अरब की आबादी वाले विशाल भारतीय बाजार के द्वार खोल देगा। इससे न्यूजीलैंड के स्थानीय समुदायों और उत्पादकों के पास अधिक राजस्व आएगा, जिससे लोगों की व्यक्तिगत आय में भी बड़ा इजाफा होगा।

10 जुलाई को ऑकलैंड पहुंचेंगे पीएम मोदी

राजनयिक प्रोटोकॉल के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 जुलाई को न्यूजीलैंड के प्रमुख शहर ऑकलैंड पहुंचेंगे और 11 जुलाई को अपनी व्यस्त व्यस्तताओं के बाद वहां से रवाना होंगे।

उल्लेखनीय है कि भारत और न्यूजीलैंड ने 16 मार्च 2025 को मुक्त व्यापार समझौते (स्नङ्ग) के लिए औपचारिक बातचीत शुरू करने की घोषणा की थी। दोनों देशों के शीर्ष राजनयिकों और व्यापार मंत्रालयों ने दिन-रात काम करके रिकॉर्ड 9 महीनों के भीतर इस पूरी जटिल वार्ता को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया, जो वैश्विक व्यापार के इतिहास में अब तक का सबसे तेजी से पूरा होने वाला मुक्त व्यापार समझौता बन गया है

अम्मा' में सत्ता को लेकर बड़ा विवाद, नई एडहॉक कमेटी को लेकर श्वेता मेनन ने उठाए सवाल

कोच्चि ,(आरएनएस)। मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के कलाकारों का प्रमुख कमेटी 'मलयालम मूवी आर्टिस्ट एसोसिएशन' (अम्मा) एक बार फिर अंदरूनी विवादों के कारण सुर्खियों में है। संगठन में नेतृत्व और नियंत्रण को लेकर चल रहा टकराव अब एक संघर्ष में बदल गया है। पूर्व अध्यक्ष श्वेता मेनन ने नई बनाई गई एड हॉक कमेटी की वैधता पर सवाल उठाया और दावा किया कि मौजूदा परिस्थितियों में उनकी एग्जीक्यूटिव कमेटी की जिम्मेदारी संभालने की हकदार है।

नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची के लिए आयोजित अनौपचारिक डिनर से पहले एक मुलाकात के दौरान उनके साथ।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के शेरानी ज़िले के दाना सर इलाके में 48 लोगों को ले जा रही एक यात्री बस के गहरी खाई में गिर जाने के बाद बचावकर्मी और स्थानीय लोग घटनास्थल पर जमा हो गए। इस साल इस इलाके में हुए सबसे भयानक सड़क हादसों में से एक में कम से कम 40 लोगों की मौत हो

दिल्ली में बीजेपी की हाई-लेवल मीटिंग, अमित शाह के आवास पर जुटे बड़े नेता

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के भीतर संगठनात्मक बदलावों और आगामी चुनावी रणनीतियों को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। इसी सिलसिले में गुरुवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के सरकारी आवास पर एक बेहद महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय बैठक बुलाई गई। करीब ढाई घंटे तक चली इस मैराथन बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष समेत कई शीर्ष दिग्गज शामिल हुए। हालांकि, बंद कमरे में हुई इस चर्चा के आधिकारिक एजेंडे को लेकर पार्टी की ओर से कोई औपचारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इसके कई बड़े मायने निकाले जा रहे हैं।

यूपी दौरे से पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष की बड़ी बैठक

इस बैठक को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के आगामी 4-5 जुलाई को होने वाले उत्तर प्रदेश दौरे से सीधे जोड़कर देखा जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी के इस शीर्ष नेतृत्व के बीच देश के सबसे बड़े राज्य यूपी के संगठनात्मक ढांचे को लेकर गंभीर मंथन हुआ है। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ संगठन महामंत्री बीएल संतोष की मौजूदगी यह साफ संकेत देती है कि पार्टी आलाकमान उत्तर प्रदेश में संगठन को नए सिरे से चुस्त-दुरुस्त करने की पूरी रूपरेखा तैयार कर चुका है।

चर्चा है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल में संभावित फेरबदल और विस्तार की सुगबुगाहटों के बीच भाजपा संगठन को भी पूरी तरह से री-मॉडल करने की तैयारी में है। रणनीतिक रूप से यह माना जा रहा है कि सरकार के कुछ वरिष्ठ चेहरों को संगठनात्मक जिम्मेदारियों में वापस लाया जा सकता है। इसके साथ ही, भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व इस बार अनुभवी दिग्गजों के साथ-साथ ऊर्जावान और युवा चेहरों को संगठन की मुख्यधारा में लाकर एक नया संतुलन बनाने का प्रयास कर रहा है। नई टीम के गठन को लेकर भी इस बैठक में गहन विचार-विमर्श होने की खबरें हैं।

मिशन 2027- उत्तर प्रदेश फतेह करने का खाका

राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के इस यूपी दौरे का मुख्य उद्देश्य साल 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की चुनावी रणनीति और बिसात को अंतिम रूप देना है। पार्टी राज्य में किसी भी स्तर पर ढील देने के मूड में नहीं है। यही वजह है कि इस अहम दौरे से ठीक पहले भाजपा ने बीती गुरुवार को अपने सांगठनिक ढांचे को मजबूती देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया था, जिसके तहत राज्य के सभी छह क्षेत्रीय अध्यक्षों को बदल दिया गया था। इसके साथ ही 19 उपाध्यक्षों और आठ महामंत्रियों की नई नियुक्तियां कर यह साफ कर दिया गया है कि भाजपा चुनावी मोड में पूरी तरह सक्रिय हो चुकी है

बाबा अमरनाथ के दर्शन को उमड़ा आस्था का सैलाब, पवित्र गुफा की ओर बढ़े श्रद्धालु

श्रीनगर/जम्मू ,(आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के सुप्रसिद्ध बाबा बर्फानी धाम में आज से पवित्र अमरनाथ यात्रा का औपचारिक आगाज हो गया है। तड़के सुबह सुरक्षा और आस्था के अनूठे संगम के बीच श्रद्धालुओं का पहला जत्था कश्मीर घाटी के बेस कैंपों से पवित्र गुफा की ओर रवाना कर दिया गया। इससे पहले, यह जत्था जम्मू से रवाना होकर पूरी तरह सुरक्षित तरीके से पहलगाम पहुंचा था। हिमालय की दुर्गम वादियों में बाबा भोलेनाथ के जयकारों की गूंज और श्रद्धालुओं का अटूट विश्वास इस बात की गवाही दे रहा है कि कठिन रास्तों पर भी आस्था भारी है।

दो प्रमुख बेस कैंपों से बम-बम भोले की गूंज

इस वर्ष अमरनाथ यात्रा पर आने वाले शिवभक्तों की सुविधा और सुविधा के लिए प्रशासन की ओर से दो मुख्य बेस कैंप स्थापित किए गए हैं। इनमें पहला पहलगाम का नुनवान बेस कैंप और दूसरा गांदरबल जिले का बालटाल (डोमेल) बेस कैंप है। शुक्रवार सुबह दोनों ही मार्गों से यात्रियों के काफिले ने पवित्र गुफा की ओर अपने कदम बढ़ा दिए। कड़ाके की ठंड और पहाड़ों की कठिन चढ़ाई के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था और हर कोई बाबा बर्फानी की एक झलक पाने के लिए बेताब नजर आया।

उत्तर प्रदेश के मथुरा ज़िले में भारी बारिश से जन-जीवन अस्त-व्यस्त होने के बाद, एक कबाड़ बीनने वाला पानी से भरी सड़क पर हाथगाड़ी खींच रहा है।

देश के विभिन्न इलाकों में बारिश ने मचाई तबाही, कई राज्यों के लिए आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। देशभर में मानसून अब रफ्तार पकड़ चुका है, लेकिन इसके साथ ही कई राज्यों में भारी बारिश लोगों के लिए मुसीबत बन गई है। महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश समेत पहाड़ी राज्यों के कई इलाकों में लगातार हो रही बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। कई जगहों पर सड़कें जलमग्न हो गई हैं, कहीं सड़कें धंस गई हैं तो कई इलाकों में लैंडस्लाइड की घटनाएं सामने आई हैं। इस बीच भारतीय मौसम विभाग यानी कि आईएमडी ने आज कई राज्यों में भारी बारिश और आंधी-तूफान का अलर्ट जारी किया है।

लगातार बारिश के कारण कई स्थानों पर पानी का बहाव इतना तेज हो गया कि लोग उसमें बहते नजर आए। एक वीडियो में पहले एक व्यक्ति तेज धारा में बहता दिखाई दिया, उसके कुछ ही क्षण बाद दूसरा व्यक्ति भी उसी बहाव में बह गया। पानी का बहाव इतना तेज था कि सड़क किनारे खड़ा एक रिक्शा भी कागज की तरह बह गया। कई इलाकों में घुटनों तक पानी भर गया है, जबकि कई जगह सड़कें पूरी तरह पानी में डूब चुकी हैं।

महाराष्ट्र में लगातार हो रही बारिश से सबसे अधिक परेशानी देखने को मिल रही है। भिवंडी में लगातार बारिश के कारण 3 से 4 फीट तक पानी भर गया है। पानी घरों और दुकानों में घुस गया है,

राम मंदिर चंदा चोरी पर आरएसएस ने पहली बार बयान दिया

नईदिल्ली (आरएनएस)। अयोध्या के राम मंदिर में हुई चंदा चोरी के मामले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का पहली बार बयान आया है। आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने एक्स पर हिंदी और अंग्रेजी में जारी एक वीडियो में कहा कि दान पात्रों में जमा राशि की चोरी की दुर्भाग्यपूर्ण घटना से समाज और राम भक्तों की भावनाको आघात पहुंचा है और सभी आहत हैं। उन्होंने जांच में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

होसबाले ने आगे कहा, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के आग्रह पर उत्तर प्रदेश सरकार ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन कर उसकी अनुशंसा पर क़ानूनी प्रक्रिया प्रारंभ की है। उन्होंने कहा कि आरएसएस और समाज की ट्रस्ट से अपेक्षा है कि घटना को असाधारण मान गंभीर कदम उठाए ताकि लोगों की आस्था बनी रहे। उन्होंने कहा कि वर्तमान भ्रम और असमंजस की स्थिति समाप्त होनी चाहिए। उन्होंने कहा, मौजूदा उलझन और अनिश्चितता खत्म होनी चाहिए. इस नज़रिए से, हमारी उम्मीद है कि मंदिर मैनेजमेंट और बनाई गई स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम सभी जरूरी कदम उठाएगी. हमें विश्वास है कि सही फाइनेंशियल मैनेजमेंट, बिना किसी रुकावट के, पारदर्शी सिस्टम के साथ काम करने और पवित्रता, पवित्रता और गहरी धार्मिकता से भरे माहौल के ज़रिए, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट हिंदू समाज की आस्था और भरोसे को मज़बूत करता रहेगा. साथ ही उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी पूरे हिंदू समाज से अपील करता है कि इस मुश्किल समय में जरूरी सब्र और संयम दिखाएं और हिंदू-विरोधी, देश-विरोधी ताकतों की साजिशों को नाकाम करें

सोनम रघुवंशी को बड़ी राहत, सुप्रीम कोर्ट ने जमानत रद्द करने से किया इनकार

नई दिल्ली ,(आरएनएस) । राजा रघुवंशी मर्डर केस मामले की आरोपी सोनम रघुवंशी को बड़ी राहत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने सोनम रघुवंशी की जमानत रद्द करने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने मेघालय सरकार की याचिका पर नोटिस जारी किया है। अब अगले हफ्ते गुरुवार को इसकी सुनवाई होगी। दरअसल, आरोपी सोनम रघुवंशी को मेघालय हाईकोर्ट की तरफ से दी गई जमानत के खिलाफ मेघालय सरकार ने सर्वोच्च अदालत का दरवाजा खटखटाया था। बीते गुरुवार को सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने केस को मेंशन करते हुए कहा कि यह बहुत ही गंभीर मामला है और इस याचिका पर जल्द से जल्द सुनवाई होनी चाहिए। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट इस केस की सुनवाई करने के लिए तैयार हो गया था। सोनम रघुवंशी के मामले पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सोनम रिहा हो चुकी है, हम बेल पर रोक लगाने के इच्छुक नहीं हैं।

)उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष और श्री मणिरामदास छावनी के महंत नृत्य गोपाल दास महाराज से मेदांता अस्पताल में मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में जानकारी ली।

)किन्नौर ज़िले के लिप्पा, चोलिंग और रिस्पा इलाकों में भारी मॉनसून बारिश के कारण हुए भूस्खलन से सड़कें बंद हो गईं और गाड़ियाँ मलबे के नीचे दब गईं।

थलापति विजय ने कर दिया खेला, एआईएडीएमके में लगाई बड़ी सेंध, तीन पूर्व मंत्री समर्थकों समेत शामिल

चेन्नई,(आरएनएस)। तमिलनाडु की राजनीति में इन दिनों एक बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री और मशहूर अभिनेता थलापति विजय की पार्टी 'तमिलगा वेत्री कषगम' (ञ्जङ्कय) का ग्राफ राज्य में तेजी से ऊपर जा रहा है। मुख्यमंत्री विजय ने विपक्षी खेमे में बड़ी सेंधमारी करते हुए ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्भष्ठस्र्ब्य) को गहरा झटका दिया है। गुरुवार को मामल्लापुरम में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के दौरान द्भष्ठस्र्ब्य के तीन दिग्गज नेता और पूर्व मंत्री अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ टीवीके में शामिल हो गए। वहीं, इस पूरे घटनाक्रम पर ष्ठरू्य ने चुटकी लेते हुए 'वॉशिंग मशीन' का तंज कसा है।

द्भष्ठस्र्ब्य के इन दिग्गजों ने थामा ञ्जङ्कय का दामन

टीवीके के महासचिव एन. आनंद की मौजूदगी में द्भष्ठस्र्ब्य के जिन तीन बड़े नेताओं ने पार्टी छोड़ी है, उनमें पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. सी. विजयभास्कर, पूर्व परिवहन मंत्री एम. आर. विजयभास्कर और 45 सालों तक द्भष्ठस्र्ब्य से जुड़े रहे एम. एस. एम. आनंदन शामिल हैं। टीवीके में शामिल होने से पहले सी. विजयभास्कर ने विरालीमलाई सीट से और एम. आर. विजयभास्कर ने करूर सीट से विधायक पद से इस्तीफा दे दिया।

इन नेताओं ने मुख्यमंत्री विजय के कामकाज और विजन की जमकर तारीफ की। पूर्व मंत्री आनंदन ने कहा कि उन्हें तमिलनाडु का राजनीतिक भविष्य अब टीवीके में ही नजर आता है। उन्होंने किसी भी तरह की 'खरीद-फरोख्त' के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया।

नेतृत्व पर साधा निशाना, बताया 'कॉरपोरेट कंपनी'

टीवीके में शामिल हुए नेताओं ने अपनी पुरानी पार्टी द्भष्ठस्र्ब्य के मौजूदा नेतृत्व और पार्टी महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी पर तीखे हमले किए। टीवीके के मुख्य समन्वयक के. ए. सेंगोट्टैयन ने कहा कि द्भष्ठस्र्ब्य अब एक राजनीतिक संगठन न रहकर 'कॉरपोरेट कंपनी' की तरह काम कर रही है। उन्होंने पलानीस्वामी को 'विश्वासघात' का प्रतीक बताया और आरोप लगाया कि उन्होंने ष्ठरू्य जैसी घोर विरोधी पार्टी से तालमेल बिठाने की कोशिश कर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ धोखा किया है। नेताओं का कहना था कि द्भष्ठस्र्ब्य नेतृत्व के 'गलत फैसलों' से निराश होकर ही उन्होंने यह कदम उठाया है।

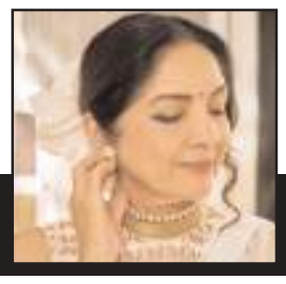

बॉलीवुड अभिनेत्री नीना गुप्ता आज यानी की 04 जुलाई को अपना 67वां जन्मदिन मना रही हैं। नीना की गिनती इंडस्ट्री की उन एक्ट्रेसेस में होती है, जो अपनी अदाकारी के दम पर लोगों का दिल जीतती हैं और अपने बोल्ड लुक से सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। हालांकि एक्ट्रेस की प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा पर्सनल लाइफ चर्चा में रहती हैं। उन्होंने अपनी जिंदगी में तमाम उतार-चढ़ाव देखे हैं, लेकिन एक्ट्रेस ने हार नहीं मानी और हर मुश्किल का डटकर सामना किया।

फिल्मों के चुनाव को लेकर चेतना पांडे का बेबाक बयान, स्क्रीन टाइम नहीं, दमदार किरदार चाहिए

अभिनेत्री चेतना पांडे को हालिया रिलीज फिल्म हॉन्टेड 3डी- इकोज ऑफ द पास्ट से दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला। इस सफलता के बीच चेतना ने करियर, फिल्मों के चुनाव और भविष्य की योजनाओं को लेकर कहा कि अब वह केवल ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना चाहती हैं, जो उन्हें एक कलाकार के तौर पर आगे बढ़ाएं और दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ें।

चेतना पांडे ने कहा, करियर के इस पड़ाव पर मैं खुद को किसी एक तरह के किरदार या फिल्म शैली तक सीमित नहीं रखना चाहती। हॉरर फिल्म में काम करने के बाद मुझे इस शैली की ताकत का एहसास हुआ है, इसलिए मैं आगे भी हॉरर फिल्मों में काम करना चाहूंगी। मैं सिर्फ इसी शैली तक सीमित नहीं रहना चाहती। एक कलाकार के रूप में मेरा सबसे बड़ा सपना खुद को और अपने दर्शकों को लगातार नए रूप में चौंकाना है।

अभिनेत्री ने कहा, मैं ऐसा किरदार निभाना चाहती हूं, जो मुझे भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक रूप से चुनौती दे और मुझे आगे बढ़ाता रहे। चाहे कोई बड़ी कमर्शियल फिल्म हो, थ्रिलर हो या फिर बायोपिक, मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने यह बात रखती है कि मेरा किरदार दर्शकों के मन में लंबे समय तक बना रहे। चेतना ने कहा, मुझे फिल्म में ज्यादा स्क्रीन टाइम नहीं चाहिए। मैं ऐसे रोल्स को प्राथमिकता देती

हूं, जिनकी कहानी में दम हो और जो कुछ कहने की ताकत रखते हों। मैं केवल ग्लैमर दिखाने वाली भूमिकाओं की बजाय ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं, जो लोगों को सोचने पर मजबूर करें। हर नया प्रोजेक्ट मुझे पहले किए गए काम से आगे ले जाए और कुछ नया सिखाए।

चेतना ने कहा, मैं अभी भी इस पूरे अनुभव को समझने और महसूस करने की कोशिश कर रही हूं। जब कोई कलाकार लंबे समय तक किसी फिल्म पर मेहनत करता है, कई तरह की चुनौतियों का सामना करता है और यह उम्मीद करता है कि दर्शक उसके काम को पसंद करेंगे, तब सफलता मिलने के बाद उस पल को तुरंत समझ पाना आसान नहीं होता। हॉन्टेड 3डी फिल्म की सफलता पर खुशी जताते हुए चेतना ने कहा, पिछले कुछ दिन जश्न से ज्यादा आभार के रहे हैं। मैंने सबसे पहले परिवार, दोस्तों और उन लोगों से बात की,

टॉक्सिक का नया टीजर जारी, लेडीज एंड लेडीज के साथ एक्शन करते दमदार लगे यश

कन्नड़ सिनेमा के सुपरस्टार यश की बहुप्रतीक्षित फिल्म टॉक्सिक का नया टीजर जारी हो गया है। फैंस की नाराजगी को दूर करते हुए निर्माताओं ने इस बार सभी हसीनाओं का दीदार टीजर में करा दिया है। लेडीज एंड लेडीज के नाम से आए इस धमाकेदार टीजर में कियारा आडवाणी नादिया का किरदार निभाती दिखीं और यश के साथ स्क्रीन साझा करेंगी। वहीं नयनतारा (गंगा), तारा सुतारिया (रेबिका), रुक्मिणी वसंत (मेलिसा) और हुमा कुरैशी (एलिजाबेथ) के किरदारों में नजर आई हैं।

टीजर की शुरुआत एक चेतावनी के साथ होती है। इसके बाद सभी हसीनाओं की एक-एक झलक दिखाई गई है। यह साबित करता है

मुंबई में पानी की कमी से परेशान कनिका महेश्वरी, बोलीं-अब हर बूंद का हिसाब रखना पड़ता है

टीवी अभिनेत्री कनिका महेश्वरी ने मुंबई में बढ़ते जल संकट पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि पानी की कमी एक ऐसी समस्या है, जो लोगों की पूरी दिनचर्या बदल देती है। उन्होंने सरकार से इस समस्या का स्थायी समाधान निकालने की मांग की। कनिका महेश्वरी ने कहा, पानी की कमी का असर हर छोटे-बड़े काम को प्रभावित करता है। जब सुबह उठते ही यह चिंता हो कि खाना बनाने, सफाई करने या रोजमर्रा की साफ-सफाई के लिए पर्याप्त पानी मिलेगा या नहीं, तब समझ आता है कि पानी जैसी जरूरी चीज कितनी अनमोल है। हम अक्सर शहर के विकास और बेहतर सुविधाओं की बात करते हैं, लेकिन सम्मानजनक जीवन की सबसे पहली जरूरत नियमित और साफ पानी है। कनिका ने कहा, लगातार पानी की कमी लोगों को अपनी जीवनशैली बदलने पर मजबूर कर देती है। पहले जहां लोग आराम से शॉवर लेते थे, वहीं अब पानी बचाने के लिए बाल्टी से नहाना पड़ता है। हर लीटर पानी सोच-समझकर इस्तेमाल करना पड़ता है। आप अपनी जरूरतों से ज्यादा पानी की खपत का हिसाब लगाने लगते हैं। यह परेशानी हजारों परिवार हर दिन झेलते हैं। जब तक कोई खुद इस स्थिति से नहीं

गुजरता, तब तक उसके मानसिक बोझ को समझ पाना आसान नहीं होता। उन्होंने कहा, अब समय आ गया है कि जल प्रबंधन को लंबे समय की योजना के रूप में देखा जाए। शहर लगातार बढ़ रहे हैं, इसलिए पानी की व्यवस्था भी उसी हिसाब से मजबूत होनी चाहिए। लोगों को हर बार पानी की कमी के हिसाब से अपनी जिंदगी ढालने के लिए मजबूर नहीं होना चाहिए। साफ और नियमित पानी की आपूर्ति कोई सुविधा नहीं, बल्कि हर परिवार का बुनियादी अधिकार है।

9 साल पहले आई फिल्म जया जानकी नायक ने अब दुनियाभर में रचा इतिहास, यूट्यूब पर मिले 1 बिलियन व्यूज, रकुल प्रीत ने निभाया था लीड रोल

रकुल प्रीत सिंह और बेलमकोंडा साई श्रीनिवास की फ्लॉप फिल्म जया जानकी नायक ने अफने नाम रिकॉर्ड कर लिया है. ये इंडियन फिल्म यूट्यूब पर 1 बिलियन व्यूज पाने वाली दुनिया की पहली फिल्म बन गई है. फिल्म ने 1 बिलियन व्यूज का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है.

बता दें कि पीएसवाई म्यूजिक वीडियो का गंगनम स्टाइल ये आंकड़ा पार करने वाला पहला म्यूजिक वीडियो है. हालांकि, फिल्मों के मामले में जया जानकी नायक ने रिकॉर्ड बना लिया है. ये फिल्म 2017 में आई थी और बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई थी. रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म 40 करोड़ के बजट में बनी थी और फिल्म ने 20 करोड़ का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया था. फिल्म को रिव्यूज भी खराब मिले थे. हालांकि, यूट्यूब पर इस फिल्म को व्यूअर्स मिले और फिल्म ने धमाका कर दिया. बता दें कि फिल्म के तेलुगू वर्जन को जया जानकी नायक टाइटल मिला और हिंदी में फिल्म का टाइटल खूंखार था. चैनल ने हिंदी डब वर्जन 7 साल पहले रिलीज किया था. फिल्म को बोयापति श्रीनू डायरेक्ट किया था.

उन्होंने फिल्म के रिकॉर्ड पर रिएक्ट किया है और एक पोस्ट शेयर किया. उन्होंने लिखा, 1 बिलियव व्यूज. 1000 मिलियन हार्ट्स. 100 करोड़ इमोशन्स. 1 फिल्म. पहली फिल्म जिसने ये माइलस्टोन पाया. प्यार और सपोर्ट के लिए थैंक्यू.

बता दें कि अल्लू अर्जुन की सर्राइनोडु ये रिकॉर्ड बनाने वाली पहली फिल्म बन सकती थी. लेकिन लाखों व्यूज वाले फिल्म का हिंदी वर्जन डिलीट करके दोबारा अपलोड किया गया था.

वर्क फ्रंट की बात करें तो डायरेक्टर श्रीनू ने अखंडा 2 बनाई. वहीं रकुल प्रीत सिंह को फिल्म पति पत्नी और वो दो में देखा गया. इस फिल्म में आयुष्मान खुराना, वामिक गब्बी और सारा अली खान जैसे स्टार्स हैं.

बॉक्स ऑफिस पर वेलकम टू द जंगल की कमाई में उछाल, कॉकटेल 2, कैरी ऑन जट्टा 4, मां इंति बंगारम और मैं वापस आऊंगा ने भी दर्ज की अच्छी कमाई

बॉक्स ऑफिस पर मंगलवार का दिन सभी फिल्मों के लिए उत्साहजनक रहा। सस्ती टिकटों की पेशकश का असर सिनेमाघरों में साफ दिखाई दिया और लगभग सभी फिल्मों की कमाई में बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि, अक्षय कुमार की मल्टीस्टारर वेलकम टू द जंगल ने एक बार फिर टिकट खिड़की पर अपना दबदबा कायम रखा।

फिल्म ने सोमवार को 8.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, जबकि सैकनिल्क की शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार मंगलवार को इसकी कमाई बढ़कर 9.25 करोड़ रुपये पहुंच गई। इसके साथ ही रिलीज के पांच दिनों में फिल्म का कुल भारतीय नेट कलेक्शन 81.50 करोड़ रुपये हो गया है।

उधर, गिप्पी ग्रेवाल अभिनीत पंजाबी फिल्म कैरी ऑन जट्टा 4 भी दर्शकों को आकर्षित करने में सफल रही। फिल्म ने सोमवार की तरह मंगलवार को भी 1.40 करोड़ रुपये का कारोबार किया। पांच दिनों में इसका कुल भारतीय नेट कलेक्शन 10.60 करोड़ रुपये हो चुका है।

शाहिद कपूर की कॉकटेल 2 नई रिलीज फिल्मों के बीच भी मजबूत प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने दूसरे सोमवार को 1.75 करोड़ रुपये कमाए थे, जबकि दूसरे मंगलवार को इसकी कमाई बढ़कर 1.85 करोड़ रुपये हो गई। 12 दिनों में फिल्म का कुल भारतीय नेट कलेक्शन 86.75 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

वहीं, सामंथा रुथ प्रभु की मां इंति बंगारम ने भी बॉक्स ऑफिस पर स्थिर प्रदर्शन जारी रखा। फिल्म ने दूसरे सोमवार और दूसरे मंगलवार, दोनों दिन 1.60 करोड़ रुपये की कमाई की। इसके साथ ही 12 दिनों में इसका कुल भारतीय नेट कलेक्शन 51.45 करोड़ रुपये हो गया है।

इम्तियाज अली निर्देशित मैं वापस आऊंगा तीसरे सप्ताह में भी दर्शकों का साथ बनाए हुए है। फिल्म ने तीसरे सोमवार को 1.50 करोड़ रुपये कमाए थे, जबकि तीसरे मंगलवार को इसकी कमाई बढ़कर 1.75 करोड़ रुपये दर्ज की गई। 19 दिनों में फिल्म का कुल भारतीय नेट कलेक्शन 49.55 करोड़ रुपये हो गया है।

मंगलवार की कमाई के आंकड़े बताते हैं कि रियायती टिकटों की योजना का फायदा लगभग सभी फिल्मों को मिला। हालांकि, वेलकम टू द जंगल बॉक्स ऑफिस पर सबसे आगे बनी हुई है, जबकि कॉकटेल 2 भी लगातार मजबूत प्रदर्शन करते हुए 85 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है।

द इंडिया स्टोरी का टीजर जारी, खाने में छिपे रसायनों के खेल को बेनकाब करेगी फिल्म

काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े की चर्चित फिल्म द इंडिया स्टोरी का टीजर आ गया है। यह भारत देश में रहने वाले हर परिवार के खाने का कड़वा सच बयां करता है, जिसके बारे में लोग कम जानते हैं। इसका निर्देशन चेट्टन डीके ने किया है, जबकि निर्माता व लेखक सागर बी शिंदे हैं। काजल और श्रेयस की यह फिल्म देश में बढ़ती कीटनाशक खेती और उसके समाज पर पड़ रहे गंभीर प्रभावों को उजागर करने का वादा करती है।

टीजर की शुरुआत काजल से होती है, जो एक वकील के किरदार में हैं। वह कोर्ट को बताती हैं कि

बेहतर स्वास्थ्य के लिए सिर्फ पौष्टिक भोजन नहीं, उसे सही तरीके से पकाना भी है जरूरी

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना हर किसी के लिए बहुत जरूरी है। लेकिन इसके साथ ही यह समझना भी जरूरी है कि अच्छा स्वास्थ्य केवल पौष्टिक भोजन खाने से ही नहीं, बल्कि उसे सही तरीके से पकाने पर भी निर्भर करता है। स्मार्ट कुकिंग की आदतें अपनाकर हम भोजन को अधिक पौष्टिक, स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक बना सकते हैं। खाना पकाते समय छोटी-छोटी सावधानियां लंबे समय तक हमें कई बीमारियों से बचाने में मदद करती हैं। भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि खाना बनाते समय तेल की मात्रा को नियंत्रित करना बहुत आवश्यक है। अक्सर लोग बिना माप के तेल डाल देते हैं, जिससे भोजन में आवश्यकता से अधिक वसा शामिल हो जाती है। इसलिए, तेल डालने के लिए हमेशा चम्मच का उपयोग करना चाहिए। इससे तेल की सही मात्रा का उपयोग होता है और अतिरिक्त कैलोरी से बचाव होता है। कम तेल में बना भोजन हृदय के लिए बेहतर होता है तथा मोटापा, उच्च रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याओं के खतरे को भी कम करता है। दूसरी महत्वपूर्ण आदत है बार-बार तला हुआ भोजन खाने से बचना। तले

हुए खाद्य पदार्थ स्वादिष्ट तो लगते हैं, लेकिन इनमें अधिक मात्रा में वसा और कैलोरी होती है। नियमित रूप से समोसा, पकौड़े, चिप्स, पूड़ी या अन्य तले हुए खाद्य पदार्थ खाने से मोटापा, मधुमेह और हृदय रोगों का जोखिम बढ़ सकता है। यदि कभी तला हुआ भोजन खाना भी हो, तो उसे सीमित मात्रा में और कभी-कभार ही खाना चाहिए। दैनिक भोजन में ताजे फल, हरी सब्जियां, दालें और साबुत अनाज को अधिक स्थान देना चाहिए।

स्वस्थ जीवन के लिए खाना पकाने के तरीकों का चुनाव भी बहुत महत्वपूर्ण है। चीजों को तेल में तलने के बजाय भाप में पकाना, भूनना, उबालना या ग्रिल करना अधिक लाभदायक होता है। भाप में पकी सब्जियों में विटामिन और खनिज अधिक मात्रा में सुरक्षित रहते हैं। ग्रिल या रोस्ट किए गए खाद्य पदार्थ कम तेल में तैयार हो जाते हैं और उनका स्वाद भी अच्छा रहता है। इसी प्रकार हल्का भूनकर या उबालकर बनाया गया भोजन पाचन के लिए भी बेहतर माना जाता है।

इसके अलावा, ताजी सामग्री का उपयोग करना, भोजन को अधिक देर तक न पकाना और आवश्यकता से अधिक नमक तथा चीनी का प्रयोग न करना भी स्मार्ट कुकिंग का हिस्सा है। घर का ताजा बना भोजन हमेशा बाहर के जंक फूड की तुलना में अधिक सुरक्षित और पौष्टिक होता है।

शाहिद कपूर ने 18 करोड़ रुपये में साइन की कॉमेडी फिल्म अदल बदल, अभिनेत्री जाह्नवी कपूर संग बनेगी जोड़ी

शाहिद कपूर को आखिरी बार फिल्म कॉकटेल 2 में देखा गया, जिसमें वह रश्मिका मंदाना और कृति सैनन के साथ इश्क लड़ाते हुए नजर आए। खबर है कि अब उन्होंने अपनी अगली फिल्म की तरफ कदम बढ़ा दिया है, जो सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अमित रविंद्रनाथ शर्मा द्वारा निर्देशित इस कॉमेडी फिल्म के लिए शाहिद ने 18 करोड़ रुपये की डील भी कर ली है। सूत्रों का कहना है कि वह फिल्म की तैयारी में जल्द ही जुट जाएंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म का शीर्षक अदल बदल है और इसकी शूटिंग अक्टूबर, 2026 से शुरू होगी। सूत्र ने कहा, फिल्म का निर्माण सुनीर खेत्रपाल और अमेजन एमजीएम मिलकर कर रहे

कच्चे अंकुरित अनाज का सेवन क्यों है सेहत के लिए फायदेमंद? जानें इसके 5 लाभ

कच्चे अंकुरित अनाज को सेहत के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। ये न केवल स्वाद में अच्छे होते हैं, बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होते हैं। अंकुरित अनाज में विटामिन्स, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा अधिक होती है, जो शरीर को ऊर्जा देने के साथ-साथ कई बीमारियों से बचाए रखने में मदद कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि कच्चे अंकुरित अनाज को खाने से क्या-क्या फायदे हो सकते हैं।

पाचन के लिए है बेहतरीन

कच्चे अंकुरित अनाज का सेवन पाचन के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। ये फाइबर से भरपूर होते हैं, जो मल त्याग को आसान बनाते हैं और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाते हैं। इसके अलावा अंकुरित अनाज में मौजूद खास तत्व पाचन को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। नियमित रूप से इन्हें खाने से पेट साफ रहता है और पेट संबंधी बीमारियों का खतरा कम होता है।

वजन को नियंत्रित करने में सहायक

अगर आप वजन नियंत्रित करना चाहते हैं तो इसके लिए भी कच्चे अंकुरित अनाज का सेवन लाभकारी हो सकता है। ये पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, लेकिन कैलोरी में कम होते हैं। इसलिए इन्हें खाने से पेट भरा हुआ महसूस होता है और ज्यादा खाने की इच्छा कम होती है। इसके अलावा अंकुरित अनाज में मौजूद फाइबर चर्बी के अवशोषण को कम करता है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

दिल की सेहत को बढ़ावा

दिल की बीमारियां आजकल आम हो गई हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम अपने खाने-पीने का खास ध्यान रखें। इसके लिए कच्चे अंकुरित अनाज का सेवन फायदेमंद हो सकता है। ये खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करके दिल की सेहत में सुधार कर सकते हैं। इसके अलावा इनमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स दिल को स्वस्थ रखते हैं और रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।

प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूती

शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली यानी इम्यूनिटी को मजबूत करने में भी कच्चे अंकुरित अनाज फायदेमंद हो सकते हैं। इनमें विटामिन-सी और अन्य एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो इम्यूनिटी को बढ़ावा देने में मदद कर सकते हैं। ये इम्यूनिटी को मजबूती देने के साथ-साथ शरीर को संक्रमण और बीमारियों से लड़ने की क्षमता भी देते हैं। इसके अलावा इनमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर में मौजूद हानिकारक तत्वों को दूर करने में भी मदद करते हैं।

मधुमेह के जोखिम में कमी

खून में शक्कर की मात्रा बढ़ने से मधुमेह का खतरा हो सकता है, लेकिन कच्चे अंकुरित अनाज से इस बीमारी के जोखिम कम किए जा सकते हैं।

शब्द सामर्थ्य -087

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. मृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे

1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुलबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नजदीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सवेरा।

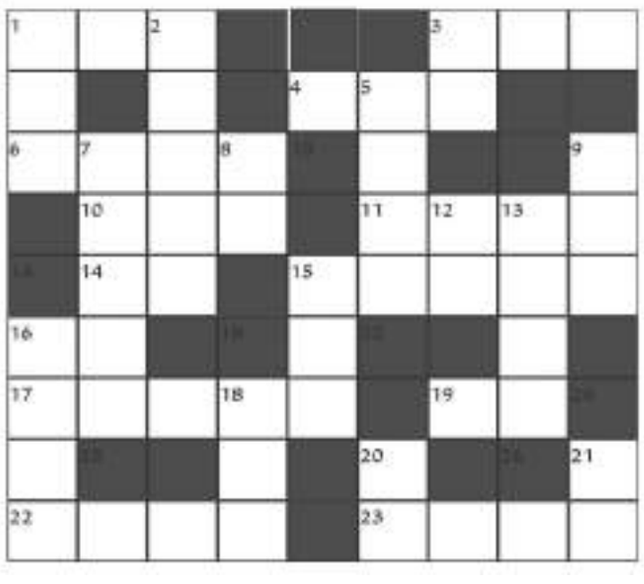

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 086 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना तिलवारा में राजू बर्मन उम्र 65 वर्ष निवासी धनवंतरीनगर थाना संजीवनीनगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह तिलवारा पुल के पास स्थित विष्णु ढाबा का संचालक है दिनांक 2-7-26 को दोपहर लगभग 1 बजे घर पर था तभी उसके ढाबा से फोन आया जो बताया कि कुछ लड़के ढाबा पर आकर तोड़फोड़ कर रहे हैं, वह अपने बेटे रोहित बर्मन के साथ अपने ढाबा पहुँचकर देखा ढाबा के अंदर कुर्सी, टेबल टूटे हुये थे अंदर रखे फ्रिज, कैमरे, डीवीआर टूटे हुये पड़े थे,

महापौर, निगम एवं सी.एम. मॉनिट मद से कराये जायेगें कार्य -महापौर और विधायक ने किया विकास कार्यो का भूमिपूजन

नगर निगम द्वारा दयानंद सरस्वती वार्ड में 2.51 करोड़ रूपये के विकास कार्यो का किया गया भूमिपूजन

सदर मेन रोड से रेलवे ब्रिज तक बनेगी एम-40 सी.सी. सड़क, वार्ड के विभिन्न क्षेत्रों में पेवर ब्लॉक, नालियों और विद्युत पोल शिफ्टिंग, लाइटिंग से सुगम होगी यातायात व्यवस्था

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। नगर निगम द्वारा दयानंद सरस्वती वार्ड में 2.51 करोड़ रूपये के विकास कार्यो का भूमिपूजन किया गया। महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' एवं उत्तर मध्य विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉं. अभिलाष पाण्डेय द्वारा भूमिपूजन कर विकास कार्यो का शुभारंभ कराया गया। भूमिपूजन के अवसर पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने बताया कि विकास के कार्य महापौर, निगम एवं सी.एम. मॉनिट मद से कराये जायेंगे। शहर के देवतुल्य नागरिकों को बेहतर जनसुविधाएं उपलब्ध कराने के संकल्प के साथ स्वामी दयानंद सरस्वती वार्ड में विकास कार्यों की नई सौगात दी गई है।

भूमिपूजन के अवसर पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने बताया कि स्वामी दयानंद सरस्वती वार्ड अंतर्गत सदर मेन रोड से रेलवे ब्रिज भैंसासुर रोड तक व्यस्त मार्ग पर यातायात को सुगम और दीर्घकालिक बनाने के लिए 1 करोड़ 30 लाख रुपये की लागत से एम-40 सी.सी. रोड का निर्माण किया जाएगा। साथ ही, मार्ग को चैड़ा व सुरक्षित करने के लिए पोल शिफ्टिंग और नए विद्युत लाइट पोल लगाने का कार्य भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शरतचन्द्र तिवारी जी के घर से लेकर कमर्शियल ऑटोमोबाइल्स तक जल निकासी की समस्या को दूर करने के लिए 58.04 लाख की लागत से नाली निर्माण और नागरिकों की सुविधा के लिए पेवर ब्लॉक लगाए जाएंगे। इस अवसर पर विधायक डॉ अभिलाष पांडे बताया कि स्वामी दयानंद सरस्वती वार्ड के विभिन्न आंतरिक क्षेत्रों में 42.54 लाख की लागत से सी.सी. सड़कों का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ-साथ वार्ड के प्रमुख सांस्कृतिक केंद्र कल्चरल स्ट्रीट के समीप 20.73 लाख की लागत से सी.सी. सड़क का निर्माण कर क्षेत्र को नया स्वरूप दिया जाएगा। इस अवसर पर महापौर एवं विधायक ने कहा कि नगर निगम शहर के हर वार्ड में समान रूप से विकास की गंगा बहाने के लिए प्रतिबद्ध है। इन कार्यों के पूरा होने से स्थानीय नागरिकों को जलभराव और जर्जर सड़कों से हमेशा के लिए मुक्ति मिलेगी। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य क्षेत्र के नागरिकों को सुगम यातायात और सुरक्षित माहौल देना है। सदर और भैंसासुर रोड का यह कॉरिडोर आने वाले दिनों में क्षेत्र की सूरत बदल देगा। भूमिपूजन के अवसर पर निगमाध्यक्ष रिकुंज विज, एम.आई.सी. सदस्य विवेक राम सोनकर, स्थानीय पार्षद श्रीमती लवलीन आनंद, वरिष्ठ पार्षद कमलेश अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष सपन यादव, प्रणीत वर्मा, मनीष जैन, मुकेश कुशवाहा, रवि मिश्रा, दिलीप पटेल, पुष्पराज पाण्डेय एवं बड़ी संख्या में वार्ड के गणमान्य नागरिक और निगम के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

महाविद्यालय प्राध्यापक संघ ने विधायक डॉ. अभिलाष पांडे को सौंपा ज्ञापन

लंबित मांगों के शीघ्र निराकरण की उठाई मांग

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। प्रांतीय शासकीय महाविद्यालय प्राध्यापक संघ, जबलपुर संभाग एवं जिला इकाई जबलपुर द्वारा आज डॉ. अभिलाष पांडे, विधायक, उत्तर मध्य विधानसभा जबलपुर को उच्च शिक्षा विभाग से संबंधित विभिन्न लंबित मांगों के निराकरण हेतु विस्तृत ज्ञापन सौंपा। प्रो. अरुण शुक्ल, संभागीय अध्यक्ष ने बताया कि वर्षों से लंबित मांगों के कारण प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों, क्रीड़ा अधिकारियों एवं ग्रंथपालों को अनेक प्रशासनिक एवं सेवा संबंधी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जैसे परिवीक्षा अवधि समाप्त की जाये, क्रीड़ा अधिकारियों एवं ग्रंथपालों को यूजीसी के प्रावधानों के अनुरूप सहायक प्राध्यापक, सह-प्राध्यापक एवं प्राध्यापक का पदनाम प्रदान करने, उनकी सेवानिवृत्ति आयु 62 से 65 वर्ष की जाये, सेवा निवृत शिक्षको की पेंशन, वेतन निर्धारण, अर्जित अवकाश एवं समूह बीमा भुगतान को प्राथमिकता दी जाये, शासन द्वारा डिप्लायमेन्ट किये गये सहायक प्राध्यापक, सह-प्राध्यापक एवं प्राध्यापकों का डिप्लायमेन्ट समाप्त किया जायें। प्रशासनिक स्तर पर उदासीनता एवं लापरवाही के चलते मेंपिग न होने के कारण नवनियुक्त सहा.प्राध्यापकों को 08 माह से वेतन नही मिला है। इस सब माँगो को लेकर आज ज्ञापन सौंपा गया है। डॉ. अभिलाष पांडे, विधायक ने संघ की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए उन्हें शासन स्तर पर प्रभावी ढंग से उठाने तथा यथासंभव शीघ्र मंत्री जी से मिलकर निराकरण कराने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर डॉ. रविश तमन्ना ताजिर, डॉ. जागेश्वर प्रजापति, डॉ. बलीराम अहिरवार, डॉ. शिवनारायण परते, डॉ. पुनीत मरवाह, डॉ. बी.एल.मार्को, डॉ. कृष्ण कुमार पांडे, डॉ. इन्द्रसिंह बरकड़े, डॉ. मो. मुस्तकीम रजा, डॉ. अजय कुमार बघेल, डॉ. देवेश, डॉ. पुरुषोत्तम प्रजापति, डॉ. पंकज साहू, डॉ. पंकज कोष्टी के साथ अन्य प्राध्यापक उपस्थित रहें।

राष्ट्रीय अध्यक्ष मयंक तिवारी की सहमति एवं प्रदेश अध्यक्ष शुभम् शुक्ला की अनुशंसा पर हुई नियुक्ति, संगठन को मजबूत करने की जताई उम्मीद

कलमवीर संघर्ष संगठन में सत्यम तिवारी बने प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। कलमवीर संघर्ष संगठन ने अपने संगठनात्मक विस्तार एवं प्रदेश स्तर पर गतिविधियों को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए सत्यम तिवारी को मध्यप्रदेश का वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मयंक तिवारी की सहमति एवं प्रदेश अध्यक्ष शुभम् शुक्ला की अनुशंसा पर की गई है।

जारी नियुक्ति विज्ञप्ति में संगठन ने विश्वास व्यक्त किया है कि सत्यम तिवारी अपने अनुभव, नेतृत्व क्षमता, संगठनात्मक कौशल एवं सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पण के बल पर संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। संगठन ने आशा जताई कि उनके नेतृत्व में प्रदेशभर में संगठन का विस्तार होगा तथा पत्रकारों, लेखकों, युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं को एक मजबूत मंच प्रदान करने के उद्देश्य को और गति मिलेगी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष मयंक तिवारी ने कहा कि संगठन निरंतर योग्य एवं सक्रिय व्यक्तित्वों को जिम्मेदारियां सौंपकर अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत कर रहा है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सत्यम तिवारी अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे तथा संगठन की विचारधारा और उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएंगे।

प्रदेश अध्यक्ष शुभम् शुक्ला ने नवनियुक्त प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठन प्रदेशभर में अपनी सक्रियता बढ़ा रहा है और ऐसे समय में अनुभवी एवं ऊर्जावान नेतृत्व की आवश्यकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सत्यम तिवारी संगठन की टीम के साथ समन्वय स्थापित कर संगठनात्मक गतिविधियों को नई दिशा देंगे और प्रदेश में संगठन को और अधिक मजबूत बनाएंगे।

अपनी नियुक्ति पर सत्यम तिवारी ने संगठन के राष्ट्रीय नेतृत्व एवं प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने उन पर जो विश्वास व्यक्त किया है, उस पर वह पूरी निष्ठा के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि वे संगठन की गरिमा, उद्देश्य एवं सिद्धांतों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रदेशभर में संगठन को मजबूत करने, नए सदस्यों को जोड़ने तथा सामाजिक एवं पत्रकार हित से जुड़े कार्यों को गति देने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे। संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सत्यम तिवारी को नई जिम्मेदारी मिलने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की है।

फर्जी दस्तावेज तैयार कर ब्लैकमेल एवं झूठी शिकायतों का आरोप, निष्पक्ष जांच और एफआईआर की मांग

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। नगर निगम जबलपुर के कर्मचारी एवं मध्यप्रदेश अजाक्स (छ्ठ्यस्) संघ (नगर निगम) के अध्यक्ष अमित मेहरा (पिता स्व. श्री शिवचरण मेहरा) ने उनके विरुद्ध कथित रूप से कूटरचित (फर्जी) दस्तावेज तैयार कर लगातार झूठी शिकायतें करने, मानसिक रूप से प्रताड़ित करने, ब्लैकमेल करने तथा शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की मांग की है।

इस संबंध में उन्होंने संभागायुक्त, पुलिस महानिरीक्षक (आईजी), जिला दण्डाधिकारी (कलेक्टर), पुलिस अधीक्षक (एसपी), नगर निगम आयुक्त, जबलपुर तथा थाना प्रभारी, ओमती को लिखित शिकायत प्रस्तुत कर निष्पक्ष जांच एवं दोषियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज किए जाने की मांग की है।

शिकायत के अनुसार, नरसिंह कनौजिया, आशीष सैनी, जगदीश बड़गैया, शिव पराग तथा इंदौर निवासी टीटू यादव ने आपसी मिलीभगत से अमित मेहरा के नाम से कक्षा 8वीं की एक कथित फर्जी एवं कूटरचित अंकसूची (रोल नंबर 10120080, पूरक परीक्षा वर्ष 2001-2002) तैयार कर विभिन्न शासकीय विभागों एवं वरिष्ठ अधिकारियों को लगातार शिकायतें भेजी हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उक्त कृत्यों के माध्यम से उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा धूमिल करने तथा अवैध धन की मांग कर ब्लैकमेल करने का प्रयास किया जा रहा है।

अमित मेहरा का कहना है कि लोक सूचना अधिकार (ऋझ्ढ्ढ) के माध्यम से प्राप्त अभिलेखों के अनुसार उनकी वास्तविक अंकसूची जिला पूर्व माध्यमिक प्रमाण-पत्र परीक्षा वर्ष 2004 की है, जबकि शिकायतकर्ताओं द्वारा कथित रूप से फर्जी दस्तावेज के आधार पर भ्रम फैलाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि इस प्रकरण को लेकर उन्होंने माननीय 22वीं सिविल जज, क्लास-1, जबलपुर के न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत किया है। न्यायालय द्वारा थाना प्रभारी, ओमती को जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे, किंतु उनके अनुसार अब तक प्रतिवेदन न्यायालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है। मामले की अगली सुनवाई 06 अगस्त 2026 निर्धारित है।

शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि 30 जून 2026 को समाचार पत्रों के माध्यम से उन्हें जानकारी मिली कि इंदौर निवासी टीटू यादव द्वारा 26 जून 2026 को इसी कथित फर्जी अंकसूची के आधार पर वल्लभ भवन, भोपाल स्थित अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव (नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग), नगरीय प्रशासन आयुक्त सहित जबलपुर के महापौर, नगर निगम अध्यक्ष एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को पुन: शिकायत भेजी गई है। अमित मेहरा ने प्रशासन एवं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से संपूर्ण प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता एवं अन्य प्रासंगिक विधिक प्रावधानों के अंतर्गत कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि यदि समयबद्ध एवं निष्पक्ष कार्रवाई नहीं की जाती है, तो वे न्याय प्राप्ति हेतु माननीय उच्च न्यायालय में रिट याचिका प्रस्तुत करने के लिए बाध्य होंगे।

सेवा निवृत्त पुलिस अधिकारी कल्याण संघ द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं नए सदस्यों का सम्मान किया

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर आज सेवा निवृत्त पुलिस अधिकारी कल्याण संघ की साधारण सभा की बैठक सदर काफी हाउस में आयोजित की गई। इस बैठक में लगभग 80 सेवा निवृत्त पुलिस अधिकारी उपस्थित हुए। जिसमें सबसे वरिष्ठ शुक्ला जी जो 81वर्ष के हैं। वरिष्ठ अधिकारी सीताराम तिवारी जिसकी उम्र 91वर्ष के हैं वरिष्ठ अधिकारी जिसकी उम्र वीरेन्द्र जैन 75वर्ष इसके साथ ही लगभग एवं 80-85सदस्यों ने भाग लिया /संघ के सचिव अशोक तिवारी द्वारा वर्ष 25-25 में किये आयोजन मेडिकल चेकअप,खेल कूद प्रतियोगिता,और पुलिस अधिकारियों के वे बच्चे ,नाती -पोते जिन्होंने शैक्षणिक सत्र 24-25 मे 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किए उनका सम्मान किया गया।

इसके अलावा 80 वर्ष से अधिक उम्र वाले वरिष्ठ अधिकारियों का भी सम्मान किया गया।

आगामी वर्ष 26-27 में होने वाले आयोजन में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले

बच्चों, तथा राज्य स्तरीय या राष्ट्रीय स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी बच्चों का सम्मान 75 वर्ष से अधिक आयू के सदस्यों का सम्मान तीन बार मेडिकल चेकअप कराया जाएगा। जनवरी या फरवरी माह में खेल कूद में कराई जाएगी। इस बैठक में अध्यक्ष राजेश तिवारी, उपाध्यक्ष , डी एल तिवारी, चंद्रप्रकाश दुबे सचिव अशोक तिवारी, अखिल वर्मा,सह कोषाध्यक्ष आलम सिंह गोविन्द सुरैया विनोद तिवारी, वरिष्ठ अधिकारियों में अवधेश तिवारी सुधीर वास्तव

विनोद श्रीवास्तव, जयंत टैंभरे,ओ पी परवार राकेश तिवारी सुशील चौहान प्रदीप जैन अशोक विश्वकर्मा उपस्थित रहे

30 /6/2026 को सेवा निवृत्त हुए 19 पुलिसकर्मी से 11सदस्यों में से एक महिला सदस्य श्रीमती पुष्पा राजपूत,राजकुमार तिवारी, विनोद श्रीवास्तव चौधरी अन्य ने सदस्यता ली ।आज सेवा निवृत्त उप पुलिस अधीक्षक सुनील नेमा को संगठन सचिव और मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया सह कोषाध्यक्ष आलम सिंह जी द्वारा आभार व्यक्त कर स्वल्पाहार के कार्यक्रम संपन्न हुआ

भारतीय शिक्षा दिवस पर भारतीय ज्ञान परंपरा विषयक व्याख्यान संपन्न

भारतीय ज्ञान परंपरा को अपनाकर ही विकसित होगा आत्मनिर्भर भारत - प्रो. डॉ. राजेश वर्मा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, महाकौशल प्रांत द्वारा भारतीय शिक्षा दिवस के अवसर पर भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न स्वरूप विषय पर व्याख्यान का आयोजन सरस्वती शिशु मंदिर, जगदीश मंदिर, गढ़ा फाटक, जबलपुर में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलगुरु प्रो. (डॉ.) राजेश वर्मा रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ अधिवक्ता एड. जिनेन्द्र जैन ने की। कार्यक्रम के प्रारंभ में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, महाकौशल प्रांत के प्रांत संयोजक डॉ. नीलेश पाण्डेय ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए स्वागत भाषण एवं विषय की भूमिका प्रस्तुत की। उन्होंने भारतीय शिक्षा दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए भारतीय ज्ञान परंपरा को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना समय की आवश्यकता है। मुख्य वक्ता प्रो. (डॉ.) राजेश वर्मा ने अपने व्याख्यान में भारतीय ज्ञान परंपरा के विविध आयामों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा केवल इतिहास का विषय नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए भी अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने भारतीय शिक्षा व्यवस्था में मूल्य आधारित शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार तथा भारतीय ज्ञान प्रणाली के समावेश पर बल दिया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को बड़े ही सरल उदाहरण के माध्यम से भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व को समझाया उन्होंने मातृभाषा क्यों बोलना चाहिए और इसका क्या परिणाम होता है इसको भी अवधारणाओं को स्वयं के नवाचार और उदाहरण के माध्यम से बताया उन्होंने सभी उपस्थित सहभागियों को हिंदी में हस्ताक्षर करने की शपथ भी दिलाई। अध्यक्षीय उद्बोधन में एड. जिनेन्द्र जैन ने कहा कि भारतीय संस्कृति एवं ज्ञान परंपरा विश्व के लिए प्रेरणास्रोत है। शिक्षा के माध्यम से भारतीय जीवन मूल्यों एवं सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुँचाना हम सभी का दायित्व है। कार्यक्रम में रत्नेश मिश्रा (जिला संयोजक), मनोज पाण्डेय (प्रांत संयोजक, भारतीय ज्ञान परंपरा), धर्मेंद्र कुशवाहा (प्रांत संयोजक, प्रचार-प्रसार) तथा प्राचार्य शुभांगी नायक सहित शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के पदाधिकारी, शिक्षक, शिक्षाविद् एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। किया गया कुलगुरु का सम्मान विगत 21 जून को संस्कारधानी में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के सफल दीक्षांत समारोह में महामहिम राष्ट्रपति भारत की उपस्थिति के कारण संस्कारधानी का नाम इतिहास के पन्नों पर स्वर्ण अक्षरों में लिखा गया संस्कारधानी के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि थी और हर स्थान पर भारत शब्द का उपयोग किया गया जो भारतीय ज्ञान परंपरा का स्पष्ट उदाहरण है इन्हीं सब उपलब्धि के कारण शारदा बाल कल्याण समिति द्वारा कुलगुरु जी का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का समापन भारतीय शिक्षा, संस्कार एवं राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ हुआ। उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण, संवर्धन एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना रांझी में रात श्रीमति वर्षा कोल उम्र 25 वर्ष निवासी कोलाना मोहल्ला मड़ई ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह सब्जी लेने के लिये मढ़ई आटो स्टेण्ड के पास गयी थी जहां राज कोल, अनुज कोल एवं अभिषेक कोल मिले उससे बोले कि तुम्हारा पति कम्पनी में काम करता है बहुत पैसे कमाता है कहते हुये शराब पीने उससे 500 रूपये मांगने लगे, उसने पैसे देने से मना किया तो तीनों गाली गलौज करने लगे, गालियां देने से मना करने पर राज कोल ने चाकू से हमलाकर वायें पैर की जांघ में चोट पहुँचा दी

रांझी में शादी वाले घर में घुसे बदमाश शराब के पैसे देने से मना किया तो भाई को मारा चाकू दूसरे का सिर फोड़ा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। शहर के रांझी थाना क्षेत्र के इंद्रानगर भूमिया मोहल्ला में बीती रात शादी की खुशियां उस समय खौफ और चीख.पुकार में बदल गईए जब दो बदमाशों ने शादी वाले घर में घुसकर शराब के लिए ?1000 की रंगदारी मांगी। पैसे देने से इंकार करने पर बदमाशों ने दूल्हेध्दुल्हन के ताऊ ;पीड़ित के बड़े भाईद्ध पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। बीच.बचाव करने आए छोटे भाई का भी सिर फोड़ दिया गया। गंभीर रूप से घायल बड़े भाई को मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया हैए जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

जानकारी के अनुसारए इंद्रानगर निवासी ललित भूमिया ;27 वर्षद्ध के घर में उनकी भतीजी रश्मि भूमिया की शादी का कार्यक्रम था। घर में मेहमानों और रिश्तेदारों का आना.जाना लगा हुआ था और चारों तरफ जश्न का माहौल था। तभी रात करीब 12रू30 बजे इलाके के दो शातिर बदमाशकृमंजीत चौधरी और सोनू चौधरी शादी वाले घर में जबरन घुस आए। दोनों ने ललित के बड़े भाई अमर भूमिया को घेर लिया और रौब दिखाते हुए शराब पीने के लिए ?1000 की मांग करने लगे। जब अमर भूमिया ने शादी के माहौल का हवाला देते हुए बदमाशों को पैसे देने से साफ मना कर दियाए तो आरोपी गाली.गलौज पर उतारू हो गए। शहर और स्थानीय मार्गदर्शिका

गालियां देने का विरोध करने पर आरोपी मंजीत चौधरी ने अपनी कमर से धारदार चाकू निकाला और अमर पर जानलेवा नीयत से तेजी से वार कर दिया। चाकू अमर के पेट और हाथ में जा लगाए जिससे वे लहुलुहान होकर वहीं गिर पड़े। अपने बड़े भाई को खून से लथपथ देख जब ललित भूमिया उन्हें बचाने के लिए दौड़ेए तो दूसरे आरोपी सोनू चौधरी ने उन पर हमला कर दिया। सोनू ने ललित के साथ बेरहमी से मारपीट करते हुए उनके सिर पर गंभीर चोट पहुंचाई। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। परिजन आनन.फानन में गंभीर रूप से घायल अमर भूमिया को इलाज के लिए रांझी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां अमर की नाजुक हालत और अत्यधिक खून बह जाने के कारण डॉक्टरों ने उन्हें प्राथमिक उपचार देकर तुरंत नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। पीड़ित ललित भूमिया की रिपोर्ट पर रांझी थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दोनों नामजद आरोपियों मंजीत चौधरी और सोनू चौधरी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

कमल बारात घर में बारातियों का उत्पात, पथराव, जमकर मार पिटाई, दुल्हन के पिता और भाई घायल

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। शहर के कोतवाली थानांतर्गत शिवनगर स्थित कमल बारात घर में बीती रात शादी की खुशियां उस समय मातम में बदल गईं जब विदाई से ठीक पहले हिंसक झड़प हो गई. चौकी ताल से आई बारात में शामिल विंदी चौधरी, कमल चौधरी और पारस चौधरी शराब के नशे में धुत होकर मेहमानों के बीच गाली-गलौज और हंगामा करने लगे.

शारदा नगर निवासी दुल्हन के पिता परमीलाल उर्फ छुट्टन अहिरवार, उनके बेटे साहिल अहिरवार और ताऊ राजेश कुमार अहिरवार ने जब उपद्रवी बारातियों को शांत रहने की समझाइश दी, तो विवाद बढ़ गया. वधू पक्ष के लोगों ने अनुशासनहीनता के चलते तीनों युवकों को बारात घर से बाहर निकाल दिया. इस बात से नाराज आरोपियों ने सड़क किनारे पड़े पत्थरों से परमीलाल के परिवार पर जानलेवा हमला कर दिया.

दुल्हन के परिजन अस्पताल में भर्ती

इस अचानक हुए पथराव में दुल्हन का भाई साहिल अहिरवार गंभीर रूप से घायल होकर लहूलुहान हो गया, वहीं पिता परमीलाल और ताऊ राजेश कुमार के सिर व शरीर पर भी गंभीर चोटें आई हैं. घटना को अंजाम देने के बाद तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए. परिजनों ने घायलों को उपचार के लिए तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया है. मामले की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया. पुलिस ने तीनों नामजद आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है. क्षेत्र में इस वारदात को लेकर भारी आक्रोश है और पुलिस आरोपियों की धरपकड़ के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है.

लार्डगंज क्षेत्र में बंद कमरे में युवक की बेरहमी से पिटाई, वीडियो वायरल

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर में एक बंद कमरे में युवक की बेरहमी से पिटाई का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. वीडियो में युवक की बेरहमी से पिटाई की जा रही है. वीडियो में प्रतीत हो रहा है कि वीडियो बनाने वाला भी आरोपियों के साथ मौजूद है, जो बीच-बीच में डायरेक्शन दे रहा था. मामले में पुलिस तहकीकात कर रही है. पुलिस ने यह वीडियो लार्डगंज क्षेत्र के होने का दावा किया है. पुलिस ने इस वीडियो के बारे में बताया कि किसी होटल का यह वीडियो प्रथम दृष्टया प्रतीत हो रहा है. मौके पर कई युवक हैं. इनमें से एक युवक बेल्ट से मौजूद युवक की पिटाई कर रहा है. पिट रहा युवक आरोपियों से हाथ जोड़ते नजर आ रहा है. युवक को बिस्तर पर पटक-पटक कर मारपीट की जा रही है. यह युवक कोन है? इसे क्यों पीटा जा रहा है? आरोपी कौन हैं? इस मामले में पुलिस युवक तक पहुंच गई है लेकिन मौजूदा हालात में युवक के शहर में नहीं होने से उसकी बातचीत नहीं हो सकी.

पेट्रोल खत्म हो गया कह कर दोस्तों ने बुलाया और मार दिया चाकू

जबलपुर। कैंट थाना क्षेत्र में एक युवक पर चाकू से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार झिरिया सदर निवासी 19 वर्षीय अनुराग रजक ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह सब्जी का व्यवसाय करता है। देर रात करीब 12 बजे वह अपने दोस्त सिद्धांत खरे के साथ मोहल्ले में घूम रहा था। इसी दौरान परिचित शिवम ठाकुर ने सिद्धांत खरे को फोन कर बताया कि उसकी बाइक में पेट्रोल खत्म हो गया है और मदद के लिए ट्रैफिक जाम होटल के पास मुख्य सड़क पर बुलाया। अनुराग अपने दोस्त के साथ मौके पर पहुंचा, जहां शिवम ठाकुर अपने कुछ साथियों के साथ मौजूद था। आरोप है कि शिवम ठाकुर ने शराब पीने के लिए 100-200 रुपये मांगे। अनुराग द्वारा रुपये देने से इनकार करने पर आरोपी गाली-गलौज करने लगा।

तेज बारिश में गौरीघाट मार्ग पर झुका हाईटेंशन लाइन का खंभा टला बड़ा हादसा, घंटों बिजली रही गुल

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। शहर के नर्मदा तट के गौरीघाट क्षेत्र में देर रात तेज बारिश के बीच एक बड़ा हादसा बाल-बाल टल गया। जब ग्वारीघाट मेन रोड पर हाईटेंशन बिजली लाइन का खंभा अचानक झुककर सड़क पर आ गया। घटना रात के समय सड़क सूनसान के दौरान हुआ, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि खंभा झुकते ही पूरे क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई और इलाके में अंधेरा छा गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार खंभा सड़क पर झुकते ही स्थानीय लोगों ने तत्काल बिजली विभाग को सूचना दी। इसके बाद सुरक्षा के मद्देनजर पूरे इलाके की बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई, ताकि करंट फैलने या किसी अन्य दुर्घटना की आशंका न रहे। क्षेत्रीय जनों का आरोप है कि ग्वारीघाट क्षेत्र में चल रहे नाली निर्माण और खुदाई कार्य के दौरान खंभे की नींव कमजोर हो गई थी। लगातार हो रही बारिश के कारण जमीन और अधिक धंस गई, जिससे खंभा असंतुलित होकर सड़क पर झुक गया। घटना के बाद क्षेत्र के लोग घरों से बाहर निकल आए और मौके पर भीड़ जमा हो गई। कुछ समय तक सड़क पर आवागमन भी प्रभावित रहा।

सूचना मिलने पर विद्युत विभाग और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने क्षेत्र की घेराबंदी कर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की और क्षतिग्रस्त खंभे को हटाने की कार्रवाई शुरू की। देर रात तक नया बिजली खंभा लगाने और विद्युत आपूर्ति बहाल करने का कार्य जारी रहा।

जबलपुर के सिहोरा से बेंगलुरु भेजा जा रहा गेहूं रास्ते में जब्त, कृषि उपज मंडी टीम की कार्रवाई

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर जिले के सिहोरा कृषि उपज मंडी के उडऩदस्ता दल ने नियमों को ताक पर रखकर परिवहन किए जा रहे गेहूं के एक बड़े जखीरे को जब्त किया है. सिहोरा से बेंगलुरु ले जाया जा रहा 251.20 क्विंटल गेहूं बिना वैध अनुज्ञा पत्र के पकड़ा गया. इस कार्रवाई को अनुविभागीय अधिकारी एवं भारसाधक अधिकारी ज्योति परस्ते और मंडी सचिव सविता धुर्वे के मार्गदर्शन में अंजाम दिया गया. निरीक्षण दल में शामिल शिवलाल कुलेश, नरेन्द्र गर्ग और प्रमोद पटेल ने वाहन क्रमांक केए-43-6856 की जांच की, जिसमें मेसर्स नमो ट्रेडिंग कंपनी गोसलपुर का अवैध गेहूं पाया गया. मध्य प्रदेश कृषि उपज मंडी अधिनियम 1972 की धारा 19(6) के तहत इस पूरे मामले में 53,042 रुपए का जुर्माना लगाया गया है. मंडी प्रशासन की इस सख्ती से अवैध परिवहन करने वाले व्यापारियों में हड़कंप मच गया है. जांच के दौरान टीम ने जब वाहन चालक से कागजात मांगे तो वह कोई भी वैध अनुज्ञा पत्र पेश नहीं कर सका. गोसलपुर स्थित मेसर्स नमो ट्रेडिंग कंपनी द्वारा यह गेहूं बेंगलुरु भेजा जा रहा था. मंडी के नियमों के अनुसार किसी भी कृषि उपज को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने के लिए उचित परमिट होना अनिवार्य है, जिसका यहां उल्लंघन किया गया. पकड़े गए गेहूं की मात्रा 251.20 क्विंटल थी, जिसकी कीमत बाजार के अनुसार काफी अधिक है. मंडी अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि नियमानुसार मंडी शुल्क और निराश्रित शुल्क का भुगतान न करना सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाने के बराबर है.

निगमायुक्त ने की अमृत 2.0 एवं वर्षा कालीन ड्रेनेज कार्यों की समीक्षा

जलभराव वाले संवेदनशील क्षेत्रों में मुस्तैद रहेगा निगम अमला - निगमायुक्त

जबलपुर। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार द्वारा आज नगर निगम मुख्यालय में अमृत योजना एवं वर्षा ऋतु के मद्देनजर शहर की जल निकासी व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में शहर की बुनियादी अधोसंरचना को सुदृढ़ करना और नागरिकों को जलभराव व दूषित पेयजल जैसी समस्याओं से शत-प्रतिशत राहत दिलाना रहा। समीक्षा के दौरान निगमायुक्त श्री अहिरवार ने निर्देश दिए कि अमृत योजना के तहत शहर के विभिन्न वार्डों में डाली जा रही सीवर लाइन नेटवर्क और नई पेयजल पाइप लाइनों के कार्य में गति लाई जाए। उन्होंने ठेकेदार एजेंसियों और तकनीकी अधिकारियों को कहा कि सड़कों की खुदाई के बाद उनका रिस्टोरेशन तत्काल गुणवत्ता के साथ किया जाए। निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों व निर्माण एजेंसियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

जलभराव रोकने हेतु जोनवार माइक्रो-प्लानिंग संभावित भारी वर्षा के दृष्टिगत निगमायुक्त श्री अहिरवार ने निगम के अंतर्गत आने वाले बड़े नालों की सफाई व्यवस्था की प्रगति जांची। उन्होंने सभी 16 जोनों के सहायक अधिकारियों और मुख्य स्वच्छता निरीक्षक को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए। निगमायुक्त ने कहा कि निचले और संवेदनशील क्षेत्रों में जल-निकासी हेतु तत्काल डीजल पंपों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि नागरिकों को असुविधा न हो। समीक्षा बैठक में संबंधित सभी अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

केन्द्रीय जेल जबलपुर में स्वतंत्रता सेनानी जवाहरलाल दर्डा सभा भवन के निर्माण के लिए शिलान्यास

जबलपुर. स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं लोकमत पत्र समूह के संस्थापक श्री जवाहरलाल दर्डा (बाबूजी) की स्मृति में केन्द्रीय जेल जबलपुर कारागार में बन रहे स्वतंत्रता सेनानी जवाहरलाल दर्डा सभा भवन के निर्माण के लिए शिलान्यास समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

जवाहरलाल दर्डा (बाबूजी) बहुमुखी प्रतिभा के धनी एवं चुम्बकीय व्यक्तित्व के गांधीवादी नेता थे, श्री दर्डा जी गांधी जी के आह्वान पर वर्ष 1940 में मात्र 17 वर्ष की आयु में स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हुए एवं वर्ष 1942 में भारत छोडो आंदोलन में शामिल होने पर लगभग 01 वर्ष 09 माह तक कारागार में बंद रहे. कारागार में बंद रहने के दौरान युवा कैदियों के बीच भी बाबूजी ने आजादी की अलख जगाई.

ऐसे स्वतंत्रता संग्राम के साक्षी बाबूजी के नाम से केन्द्रीय कारागार में बन रहे सभागार के शिलान्यास कार्यक्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए. कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेन्द्र दर्डा, एडिटर इन चीफ, लोकमत पत्र समूह, पूर्व उद्योग मंत्री, महाराष्ट्र शासन द्वारा की गई. कार्यक्रम में संस्कारधानी जबलपुर से सांसद श्री अशोक रोहाणी जी, विधायक, कैंट विधानसभा क्षेत्र, श्रीमती स्वाति सदानंद गोडबोले, पूर्व महापौर जबलपुर एवं अखिलेश तोमर, जेल अधीक्षक केन्द्रीय जेल जबलपुर की गरिमामयी उपस्थिति रही. उक्त शिलान्यास एवं निर्माण कार्य का शुभारंभ पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल एवं अशोक रोहाणी, विधायक, कैंट विधानसभा क्षेत्र के करकमलों द्वारा कुदाल चलाकर किया गया. केन्द्रीय कारागार में पूर्व से ही सुभाष सभागार है, किंतु उस सभागार की क्षमता मात्र 100 बंदी की है,

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-09 लालमाटी नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/09/2026-27/ एम/911/ दिनांक 03.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती रजनी श्रीवास, पति- उमेश श्रीवास** ने मकान नं. 1943 पिन नं. 1000464655 **वार्ड पं. द्वारका प्रसाद मिश्र वार्ड ,** भूतल आर.सी.सी. 117 व.फु. कमर्शियल, **दानपत्र, शपथपत्र, विक्रय अनुबंध पत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. 1943 श्याम किराना स्टोर्स के सामने पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-09 लालमाटी नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-09 लालमाटी
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-09 लालमाटी नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/09/2026-27/ एम/910/ दिनांक 03.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री संतोष कुमार चौधरी, पिता- स्व. श्री छोटे लाल** ने मकान नं. 2989 पिन नं. 1000470356 **वार्ड आचार्य विनोवा भावे वार्ड ,** भूतल आर.सी.सी. 429 व.फु., प्रथमतल आर.सी.सी. 100 व.फु., **दानपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. 2989 सावन टेन्ट हाउस के बाजू में पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-09 लालमाटी नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-09 लालमाटी
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04,छोटी लाईन फाटक गोरखपुर नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/04/एम/112 2026-27 दिनांक 03/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि संपत्तिकर पिन नं. **1000510229,** में पंजीकृत भवन स्वामी **श्रीमती मनोरमा सक्सेना, पति - राजेन्द्र प्रसाद सक्सेना एवं पंकज सक्सेना, पिता- राजेन्द्र प्रसाद सक्सेना** के स्थान पर आवेदक- **श्री रंजीत सिंह, पिता श्री सी.एस. सिंह, एवं श्रीमती खुशबू सिंह, पति श्री रंजीत सिंह** ने **मकान नं. 2496/12 फ्लैट न. बी 14 वार्ड क्र. 12 , जार्ज डिसिल्वा वार्ड,** द्वितीयतल 592 व.फु., **दस्तावेज- पंजीकृत विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया हैं। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक-04 छोटी लाईन फाटक गोरखपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-04
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04,छोटी लाईन फाटक गोरखपुर नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/04/एम/111 2026-27 दिनांक 03/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि संपत्तिकर पिन नं. **1000511419,** में पंजीकृत भवन स्वामी **श्री यशवंत सिंह, पिता श्री प्रकाश चन्द्र ठाकुर** के स्थान पर आवेदक- **श्री विनय कुमार शर्मा, पिता स्व. श्री देव प्रिय शर्मा एवं श्रीमती वंदना शर्मा, पति- श्री विनय कुमार शर्मा** ने **मकान नं. 1708/208 वार्ड क्र. ..... , ... वार्ड,** द्वितीयतल 600 व.फु., **दस्तावेज- पंजीकृत विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया हैं। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक-04 छोटी लाईन फाटक गोरखपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-04
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04,छोटी लाईन फाटक गोरखपुर नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/04/एम/110 2026-27 दिनांक 03/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि संपत्तिकर पिन नं. **1000620411,** में पंजीकृत भवन स्वामी **श्री रेवा राम पांडे, पिता- स्व. श्री परस राम पांडे** के स्थान पर आवेदक- **श्रीमती राजेश्वरी पांडे, पति स्व. श्री रेवा राम पांडे, एवं श्री राजीवकांत पांडे एवं रजनी कांत पांडे, पिता स्व. श्री रेवा राम पांडे,** ने **मकान नं. 592 वार्ड क्र. ..... , ... वार्ड,** भूतल 864 व.फु., **दस्तावेज- मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, ,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया हैं। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक-04 छोटी लाईन फाटक गोरखपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-04
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04,छोटी लाईन फाटक गोरखपुर नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/04/एम/109 2026-27 दिनांक 03/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि संपत्तिकर पिन नं. **1000510245,** में पंजीकृत भवन स्वामी **श्री सुरेन्द्र कुमार मरवाहा, पिता स्व. श्री रामप्रकाश मरवाहा** के स्थान पर आवेदक- **डॉ. रोमेश चावलानी, पिता श्री किशन चन्द्र चावलानी एवं डॉ. श्रीमती रश्मि चावलानी, पति- डॉ. श्री रोमेश चावलानी** ने **मकान नं. 303 का भाग वार्ड क्र. 10 , गुप्तेश्वर वार्ड,** भूतल प्लाट रकवा 2250 व.फु., **दस्तावेज- पंजीकृत विक्रयपत्र ,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया हैं। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक-04 छोटी लाईन फाटक गोरखपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-04
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं.-सं.अधि./10 / रांझी/ 2026/ एम. 134/ 2026-27 - दिनांक 02.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्रीमती भावना गुप्ता, पति - पप्पू गुप्ता** ने भवन क्रं. 3400/48 पिन क्र. 1000699027 **वार्ड क्र. 63, वार्ड शहीद भगत सिंह वार्ड ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) पंजीकृत स्वामी श्री अशोक कुमार कुशवाहा, पिता- जी.डी. कुशवाहा, भूतल 510 व.फु. आर.सी.सी. जी.एफ., **विक्रयपत्र, आधार कार्ड** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु/ शास. नजूल भूमि/ भवन में काबिज नामातंरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -10 रांझी** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-10 रांझी
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं.-सं.अधि./10 / रांझी/ 2026/ एम. 133/ 2026-27 - दिनांक 02.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **काबिज श्री शशि कान्त रजक, पिता- रामसेवक रजक** ने भवन क्रं. 4803/1 बी पिन क्र. 1002747734 **वार्ड क्र. 63, वार्ड शहीद भगत सिंह वार्ड ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) पंजीकृत स्वामी श्रीमती केमा बाई कोल, पति स्व. श्री रमेश कुमार कोल, भूतल 588 व.फु. कच्चा, **नोटराइज विक्रयपत्र, आधार कार्ड** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु/ **शास. नजूल भूमि/** भवन में काबिज नामातंरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक - 10 रांझी** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-10 रांझी
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं.-सं.अधि./10 / रांझी/ 2026/ एम. 135/ 2026-27 - दिनांक 02.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्रीमती अरूणिमा पटेल, पति - कमलेश पटेल** ने भवन क्रं. 3251 पिन क्र. 1000700554 **वार्ड क्र. 63, वार्ड शहीद भगत सिंह वार्ड ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) पंजीकृत स्वामी श्री के.डी. जोशी, भूतल 1000 व.फु. आर.सी.सी. जी.एफ., प्रथमतल 500 व.फु. आर.सी.सी. एफ.एफ., **विक्रयपत्र, आधार कार्ड,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु/ शास. नजूल भूमि/ भवन में काबिज नामातंरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक - 10 रांझी** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-10 रांझी
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं.-सं.अधि./10 / रांझी/ 2026/ एम. 138/ 2026-27 - दिनांक 03.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्री राम सुन्दर बाठी, पिता स्व. श्री बाबूलाल बाठी** ने भवन क्रं. 2543 पिन क्र. 1000407318 **वार्ड क्र. 64, वार्ड महर्षि सुदर्शन वार्ड ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) पंजीकृत स्वामी श्री लक्ष्मण प्रसाद, पिता स्व. श्री बाबू लाल बाठी, भूतल 500 व.फु. आर.सी.सी., **शपथपत्र, सहमति शपथ पत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु/ **शास. नजूल भूमि/** भवन में काबिज नामातंरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक - 10 रांझी** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-10 रांझी
नगर निगम जबलपुर

स्वात्ताधिकारी मुद्रक प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से माँ रेवा पब्लिकेशन एण्ड प्रिन्टर्स, तथा 68/1, लक्ष्मीपुर विवेकानन्द वार्ड, मुश्कान प्लाजा के पीछे, एम.आर.-4 रोड, उखरी जबलपुर म.प्र. से मुद्रित तथा मकान नंबर 358 सांठियां कुंआ जबलपुर से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख श्री विलक्षण सक्सेना, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा। भोपाल मो.नं. 7879652007, जबलपुर मो.नं.9300696096